

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

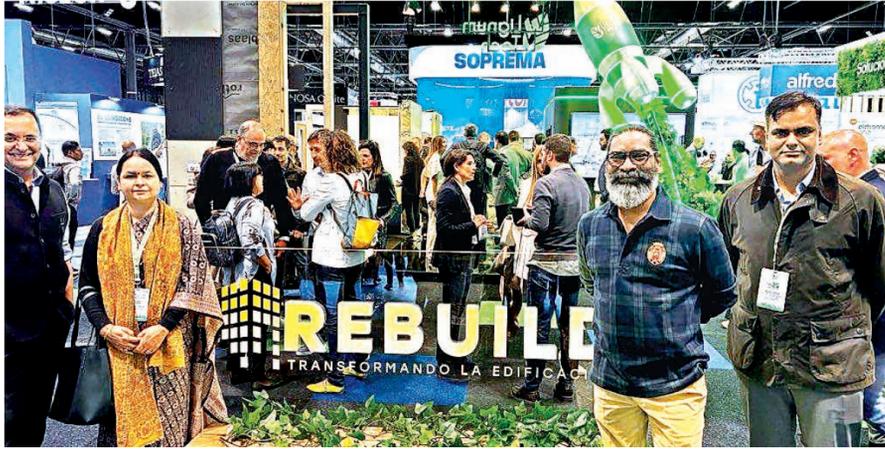
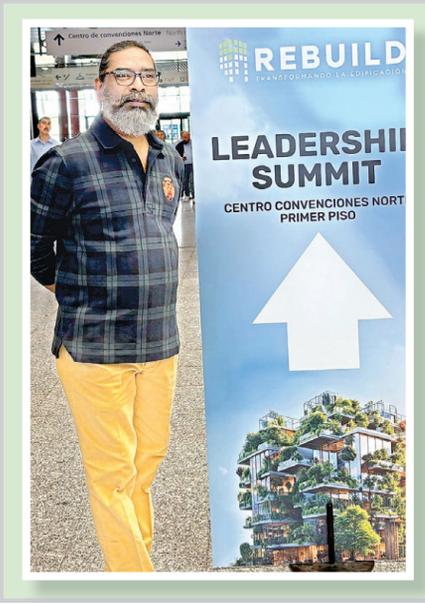
सत्यमेव जयते



पेज 10

₹ 3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर



झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मैट्रिड में आईएफईएमए पुनर्निर्माण प्रदर्शनी देखने गए। उन्होंने अपने दौरे के दौरान निर्माण और शहरी विकास क्षेत्रों में अग्रणी नवाचारों पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित किया। स्पेन की राजधानी मैट्रिड में आईएफईएमए एक प्रमुख प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र है। वहीं, आईएफईएमए पुनर्निर्माण प्रदर्शनी एक वार्षिक व्यापार शो है, जो भवन निर्माण उद्योग के लिए नवीनतम तकनीकों और नवाचारों को प्रदर्शित करता है।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने किया दावा

चार टुकड़ों में बंट जाएगा पाकिस्तान

नवीन मेल डेस्क

देवघर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को दावा किया कि वर्ष 2025 में पाकिस्तान चार टुकड़ों में बंट जाएगा। इसी के साथ पाकिस्तान का नामनिर्देशन मिट जाएगा।

देवघर जिले में महेशमारा रेलवे हॉल्ट स्टेशन के शिलान्यास के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में निशिकांत दुबे ने कहा कि इसी वर्ष पाकिस्तान चार टुकड़ों में बंट जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाव की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से अपने संबोधन में आतंकियों को मिट्टी में मिलाने की जो बात कही है, उसका संदेश दूरगामी है। भाजपा सांसद ने कहा, पाकिस्तान ने कश्मीर का हमारा जो हिस्सा लिया है, उसे तो हम वापस लेंगे ही। इसके अलावा, पाकिस्तान को खंडित कर बलूचिस्तान, पख्तूनिस्तान और पंजाब नामक अलग-अलग देश बनेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह कर दिखाएंगे। यह बात मैं पूरे दावे के साथ कह रहा हूँ। अगर पाकिस्तान इस वर्ष के बाद कई खंडों में नहीं बंटता, तो आप यह कहने को स्वतंत्र होंगे कि भारतीय जनता पार्टी वाले लोगों को झूठे आश्वासन देते हैं। निशिकांत दुबे ने कहा कि 'पाकिस्तान खत्म हो जाएगा', यही मोदी की गारंटी है। यही विश्वास है, जिसकी बलवत वह देश के प्रधानमंत्री बनें हैं। शेष पेज 11 पर

एक नजर

मानसून सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन बिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार संसद के आगामी मानसून सत्र में बीमा संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इस विधेयक का उद्देश्य बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 फीसदी से बढ़ाकर 100 फीसदी करना है। बीमा में ये बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए होगी, जो भारत में पूरा प्रीमियम निवेश करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी जानकारी में बताया कि सरकार बीमा संशोधन विधेयक को संसद के आगामी मानसून सत्र में पेश कर सकती है। प्रस्तावित विधेयक में बीमा क्षेत्र में 100 फीसदी एफडीआई का प्रस्ताव है।

बंगाल में बांग्लादेशी तस्कन मारा गया

कोलकाता। बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के डीआईजी एवं प्रवक्ता एनके पांडे ने रविवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ कर्मियों द्वारा 'आत्मरक्षा' में की गई गोलीबारी में एक बांग्लादेशी तस्कन मारा गया तथा फेंसिडिल की 175 बोतलें बरामद की गईं। उन्होंने कहा, बांग्लादेशी तस्कन का शव और जब्त सामान पुलिस को सौंप दिया गया है तथा घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप 82925 53444 विज्ञापन देने या अरबवार प्राप्त करने के लिए संपर्क +91 82923 73444 कार्यकारी संपादक

'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा पहलगाव हमले के साजिशकर्ताओं को दिया जाएगा कठोरतम दंड



किसानों के अधिकारों के लिए किए गए ऐतिहासिक 'चंपारण सत्याग्रह' को किया याद

नई दिल्ली (हि.स.)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में हुए आतंकी हमले के पीड़ित परिवारों को न्याय अवश्य मिलेगा और हमले के साजिशकर्ताओं को कठोरतम दंड दिया जाएगा। पूरा देश पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है और आतंकवाद के खिलाफ 140 करोड़ भारतीयों की एकजुटता इस लड़ाई की सबसे बड़ी ताकत है। 'मन की बात' के 121वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा, आज दुनिया देख रही है कि इस हमले के बाद भारत एक स्वर में आतंक के खिलाफ खड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि वैश्विक नेताओं ने भी भारत के प्रति संवेदनशीलता व्यक्त करते हुए हमले की कठोर निंदा की है। मोदी ने आतंकी हमले को जम्मू-कश्मीर में लौटती शांति और

विकास को बाधित करने की नाकाम कोशिश करार दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर में हो रहे सकारात्मक बदलाव आतंकवाद के समर्थकों को रास नहीं आए, इसलिए इस प्रकार की कायरतापूर्ण साजिश रची गई। इतिहास से प्रेरणा लेते हुए प्रधानमंत्री ने 'चंपारण सत्याग्रह' की गाथा साझा की, जिसमें महात्मा गांधी और डॉ राजेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में किसानों के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष हुआ था। उन्होंने युवाओं से 'सत्याग्रह इन चंपारण' पुस्तक पढ़ने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1917 में - अप्रैल और मई के दो महीने - देश में आजादी की एक अनेकी लड़ाई लड़ी जा रही थी। अंग्रेजों के अत्याचार उपशान्त प थे। गरीबों, वंचितों और किसानों का शोषण अमानवीय स्तर को भी पार कर चुका था। बिहार की उपजाऊ धरती पर ये अंग्रेज किसानों को नील की खेती के लिए मजबूर कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने 'सचते ऐप' के माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं में सतर्कता बढ़ाने की पहल की जानकारी भी साझा की। यह एप्लिकेशन लोगों को बाढ़, भूकंप, चक्रवात जैसी आपदाओं के समय अलर्ट भेजता है। सेवा और मानवीयता की भावना को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन ब्रह्मा' का उल्लेख किया। शेष पेज 11 पर

जेएसएलपीएस से बेंगलुरु में आयोजित एलुमनी समारोह में बोलीं दीपिका पांडेय सिंह

झारखंड के युवा बना सकते हैं अपनी एक अलग पहचान

'स्किल आइकॉन' एवं प्रोजेक्ट इंफ्लोमेंटिंग एजेंसियों को किया गया सम्मानित

नवीन मेल डेस्क

रांची/बंगलुरु (कर्नाटक)। ग्रामीण विकास मंत्री, दीपिका पांडेय सिंह ने रविवार को बेंगलुरु में कहा कि झारखंड के युवाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर और उचित मार्गदर्शन मिले, तो वे देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं। हम सभी को आप पर गर्व है। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह न केवल आपके कौशल विकास में सहयोग करे, बल्कि आपकी सुरक्षित और सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित करने में भी हर संभव मदद करे। दीपिका पांडेय सिंह झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बेंगलुरु में आयोजित डीडीयू-जेकेवाई के



अंतर्गत प्लेस्टड अभ्यर्थियों के लिए एक एलुमनी मिलन समारोह-2025 को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर उन्होंने सभी अभ्यर्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में डीडीयू-जेकेवाई पर आधारित विशेष पुस्तक 'कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की ओर' का विमोचन किया गया। दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के युवाओं की कौशल विकास और उन्नति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ है, चाहे वे झारखंड में हों, या देश के किसी अन्य हिस्से में। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने जेएसएलपीएस द्वारा डीडीयू-जेकेवाई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि इस फ्लैगशिप कार्यक्रम ने झारखंड के हजारों युवाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। मंत्री ने विशेष रूप से बेंगलुरु में जेएसएलपीएस द्वारा स्थापित माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर का उल्लेख किया। शेष पेज 11 पर

सीएम सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार हर युवा को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कुशल और संवेदनशील नेतृत्व में झारखंड सरकार अपने हर युवा विशेषकर महिलाओं को कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में जेएसएलपीएस द्वारा अबतक 85 हजार से ज्यादा युवाओं को नि:शुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। साथ ही, इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न भागों में कार्यरत झारखंड के युवाओं को एक साझा मंच प्रदान करना था, जहां वे अपने अनुभव साझा कर सकें, एक-दूसरे से संवाद कर सकें और अपने विकास की यात्रा का उत्सव मना सकें।

माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर झारखंड के युवाओं की समस्याओं का करता है समाधान

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ, जेएसएलपीएस कंचन सिंह ने ग्रामीण विकास मंत्री, पीआईए (प्रोजेक्ट इंफ्लोमेंटिंग एजेंसिज) के प्रतिनिधियों, भारत सरकार के प्रतिनिधि, एवं उपस्थित सभी अभ्यर्थियों का स्वागत किया और कार्यक्रम का उद्देश्य बताया। उन्होंने बताया कि इस तरह के एलुमनी मीट का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि शेष पेज 11 पर

पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में गिरिडीह के पांच प्रवासी मजदूरों का अपहरण

सीएम सोरेन ने विदेश मंत्री से किया अगवा श्रमिकों को मदद पहुंचाने का आग्रह

नवीन मेल डेस्क

रांची। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर में झारखंड के गिरिडीह जिले के बगोदर प्रखंड के पांच प्रवासी मजदूरों को अगवा कर लिया गया है। इनमें गिरिडीह जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दौंदलो पंचायत के चार और मुंडरो



पंचायत का एक श्रमिक शामिल है। यह जानकारी मिलने पर स्पेन और स्वीडन के दौरे पर गए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर देश के विदेश मंत्री एस जयशंकर से आग्रह किया है कि नाइजर में अगवा किए गए झारखंड के प्रवासी श्रमिकों को मदद पहुंचाएं। शेष पेज 11 पर

सरकार ने जारी की चेतावनी

पब्लिक वाई-फाई का उपयोग कर कोई लेन-देन नहीं करें

नई दिल्ली (आईएनएस)। केंद्र सरकार ने सभी नागरिकों के लिए चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पब्लिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करके वित्तीय लेन-देन और संवेदनशील गतिविधियां नहीं करें। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया कि हवाई अड्डों, कॉफी शॉप्स और सार्वजनिक स्थानों पर मुफ्त पब्लिक वाई-फाई सुविधाजनक लग सकता है, लेकिन इनके उपयोग को सावधानी से करना चाहिए। वित्तीय जानकारी शेष पेज 11 पर

साहिबगंज के पते पर बने फर्जी आधार कार्ड वाले 13 बांग्लादेशी हुए गिरफ्तार

ये लोग मुंबई में फेरीवाले के रूप में रहते थे

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

रांची/मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के नाथाना थाने की पुलिस ने 13 ऐसे बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा है, जिन्होंने झारखंड के साहिबगंज जिले के पते पर फर्जी आधार कार्ड बना रखे थे। झारखंड पुलिस और जांच एजेंसियों से इन घुसपैठियों के बारे में सूचनाएं साझा की गई हैं। ये घुसपैठिए मुंबई में फेरीवाले के रूप में घूम रहे थे। महाराष्ट्र के भाजपा नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने विक्रोली पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए घुसपैठियों के 'आधार शक्ति' बनते जा रहे हैं। शेष पेज 11 पर



देते हुए और उनकी तस्वीर साझा की है। उन्होंने कहा है कि झारखंड के सोमावती इलाके बांग्लादेशी घुसपैठियों के 'आधार शक्ति' बनते जा रहे हैं। शेष पेज 11 पर

इंडिया भाड़े पर दुष्प्रचार करने वाले और समाज में बढ़ती बेचैनी

समाज की गलाकाट प्रतिस्पर्धा, धन, शारीरिक सुख, नौकरी और राजनीतिक शक्ति हड़पने के लिए सारी हदें पार करते लोगों की कलियुगी कलहियों से सोशल मीडिया भरी है और इसकी जड़ में है हमारी समाप्त होती सहनशीलता। सबसे आगे की होड़ में जिनगी न मिलेगी दोबारा का पक्का विश्वास है जिस कारण सास होने वाले दामाद को लेकर भाग रही है तो बेटों मां बाप की हत्या करा रही है बेटा बहू बूढ़े मां बाप को घर से बाहर निकाल रहे हैं। वर्षों पहले जमशेदपुर में घटी घटना की तरह 23 अगस्त 2001 को हिसार में पूर्व विधायक रेलू राम पुनिया के घर 68 साल के बुजुर्ग से लेकर सवा महीने की बच्ची तक 8 लोगों को 50 फिटो की रैट से कुचलकर मारा गया था। रेलू राम की बेटे सोनिया ने कबूल कर लिया था कि उसने ही संपत्ति के लिए अपने

मां-बाप समेत 8 लोगों को मारा था पर पुलिस ये मानने को तैयार नहीं थी कि अकेली सोनिया सभी का कल कर सकती है। सोनिया का पति संजीव फरार था, अब दोनों को मृत्युदंड मिला है। खबर बताती है कि समाज कहां मर्यादाएं तार-तार हो रहीं हैं। भारत में प्राचीन काल से चल रहे संस्कार और धार्मिक रिवाजों में सुधार की आवश्यकता है पर सिर से उन्हें बकवास बताकर खारिज करना और समाज में नैतिकता, धर्मिकता को ताक में रखने वालों की बढ़ती स्वीकार्यता बता रही है कि आपके पास धन और शक्ति यदि है तो समाज का एक धनलोलुप वर्ग आपके साथ खड़ा है जिसके लिए पैसा ही सबकुछ है, जबकि सभी वर्गों, धर्मों या परंपराओं को दिकानूसी बताने वाले कथित प्रगतिशील प्राणियों का दोहरा चरित्र भी कई बार घातक होता है और देश विरोधी भी एक चमकदार गुब्बारे में सूई चुभो दी जाए, तो क्या होगा? इससे वह या तो फट पड़ेगा या फिर हवा निकल जाएगी। ऐसा ही इसांनों के साथ भी होता है। एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने बताया कि अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी

डिसऑर्डर (एडीएचडी) यानी ध्यान आकर्षित न कर पाने से उत्पन्न विकार से पीड़ित व्यक्ति के लिए अस्वीकृत ऐसी हो सकती है, मानो भावनाओं का विस्फोट हो गया। इस क्लिप को लाखों लाइक्स मिले हैं। यह रिजेशन सेंसिटिव डाइस्फोरिया (आरएसडी) यानी अस्वीकृत से उपजी बेचैनी से संबंधित हजारों पोस्ट में से एक है। इन शब्दों का उपयोग चिकित्सकों द्वारा भी बहुत कम किया जाता है, पर ये आजकल खूब वायरल हो रहे हैं। एडीएचडी से पीड़ित 24 वर्षीय शिक्षिका एरिन राइडर ने बताया कि हाल ही में उनके प्रेमी ने सप्ताह भर काम करने के बाद अपनी योजना स्थगित कर दी। वह

'डिस्फोरिया' शब्द आता है, जिसका अर्थ है वेचैन या असंतुष्ट महसूस करने की स्थिति। मनोवैज्ञानिक डॉ. लिंडसे ब्लास कहती हैं कि आलोचना किसी-किसी के लिए बहुत दर्दनाक होती है। डॉ. डॉडसन कहते हैं एडीएचडी अवसाद की ही दवा दी जाती है। एक्सपोजर थैरेपी के तहत चिकित्सक धीरे-धीरे रोगी के आत्मविश्वास को जगाते हैं, ताकि आलोचना या अन्य किसी बात से उपजी उदासी या हीन भावना को दूर किया जा सके। उन्हें प्रेरित किया जाता है कि छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें और जब जिंदगी में कोई बात बिगड़ जाए, तो उसे दिल पर न लें। झारखंड की सड़कों पर या किसी भी गली चौगहे से लेकर यात्रा तक में मामूली बात पर मारपीट से हत्या तक के मामले इसी बेचैनी का परिणाम हैं जिसमें धैर्य के लिए कोई स्थान नहीं बस सबकुछ और सबसे पहले पहुंच चुकी है। यदि ऐसे व्यक्ति को चिढ़ाया जाए, मजाक उड़िया जाए, उसकी बात काट दी जाए, या फिर कुछ अग्रिय बोल दिया जाए, तो उसका मूड तुरंत बदल जाएगा और वह या तो गुस्सा करेगा या उदासी में डूब जाएगा। यहीं से

दृष्टिकोण शब्द आता है, जिसका अर्थ है वेचैन या असंतुष्ट महसूस करने की स्थिति। मनोवैज्ञानिक डॉ. लिंडसे ब्लास कहती हैं कि आलोचना किसी-किसी के लिए बहुत दर्दनाक होती है। डॉ. डॉडसन कहते हैं एडीएचडी अवसाद की ही दवा दी जाती है। एक्सपोजर थैरेपी के तहत चिकित्सक धीरे-धीरे रोगी के आत्मविश्वास को जगाते हैं, ताकि आलोचना या अन्य किसी बात से उपजी उदासी या हीन भावना को दूर किया जा सके। उन्हें प्रेरित किया जाता है कि छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें और जब जिंदगी में कोई बात बिगड़ जाए, तो उसे दिल पर न लें। झारखंड की सड़कों पर या किसी भी गली चौगहे से लेकर यात्रा तक में मामूली बात पर मारपीट से हत्या तक के मामले इसी बेचैनी का परिणाम हैं जिसमें धैर्य के लिए कोई स्थान नहीं बस सबकुछ और सबसे पहले पहुंच चुकी है। यदि ऐसे व्यक्ति को चिढ़ाया जाए, मजाक उड़िया जाए, उसकी बात काट दी जाए, या फिर कुछ अग्रिय बोल दिया जाए, तो उसका मूड तुरंत बदल जाएगा और वह या तो गुस्सा करेगा या उदासी में डूब जाएगा। यहीं से

भारत का फ्रांस से 'राफेल-एम' विमान खरीद समझौता आज

नई दिल्ली (आईएनएस)

लगातार अपनी क्षमता में इजाफा कर रही भारतीय नौसेना के लिए 'राफेल' फाइटर जेट की खरीद का समय आ चुका है। सोमवार को भारत और फ्रांस की सरकारों के बीच यह सौदा होगा। नौसेना के लिए मरीन (एम) श्रेणी के 'राफेल' लड़ाकू विमान खरीदे जा रहे हैं। भारतीय नौसेना को कुल 26 राफेल-एम विमानों की आपूर्ति की जाएगी।



नौसेना को मरीन श्रेणी के 26 'राफेल' विमानों की आपूर्ति की जाएगी

भारतीय नौसेना की समुद्री हमलों की क्षमताओं को मिलेगी मजबूती

गौरतलब है कि रविवार सुबह नौसेना ने सफलतापूर्वक एंटी-शिप फायरिंग की है। यह परीक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों से किया गया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाव में आतंकवादी हमले के बाद नौसेना ने दुश्मनों को कड़ा संदेश देते हुए एक महत्वपूर्ण मिसाइल परीक्षण भी किया था। यह मिसाइल परीक्षण शेष पेज 11 पर

सीयूजे और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के बीच हुआ एमओयू, बोले कुलपति छात्रों को उच्च ट्रेनिंग व अंतर्विषयक शोध को बढ़ावा मिलेगा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। सीयूजे और एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएनएसआई), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के बीच एमओयू (समझौता) हुआ, जिसमें सीयूजे को एएनएसआई का फील्ड स्टेशन बनाया गया। समझौते के दस्तावेज सीयूजे में दोनों पक्षों के उच्च अधिकारियों के समक्ष हस्ताक्षर किए गए।



कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास ने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय के लिए काफी लाभकारी होगा। इस समझौते से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को एंथ्रोपोलॉजी के क्षेत्र में उच्च ट्रेनिंग

और अंतर्विषयक शोध को बढ़ावा मिलेगा। यह खुशी की बात है कि सीयूजे के साथ एएनएसआई ने यह समझौता किया है जिसमें सीयूजे को झारखंड में फील्ड स्टेशन के तौर पर स्थापित किया गया है।

प्रो. बी.वी. शर्मा, निदेशक,

के तौर मान्यता दिया गया है। इस समझौते के अनुसार सीयूजे के विद्यार्थी एएनएसआई के संस्थानों में इंटरशिप कर सकते हैं। यह समझौता एनईपी-2020 के तहत सारे जर्नलों को पूरा करता है। विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के बाद कभी भी इंटरशिप कर सकते हैं। एएनएसआई साथ ही इस क्षेत्र से संबंधित सीयूजे के प्रोजेक्ट को भी वित्तीय सहायता प्रदान करेगा।

सीयूजे की तरफ से कुलपति प्रो. क्षिति भूषण दास, कुलसचिव, के.के.एस. राव, डीन शोध एवं विकास, प्रो. अरुण कुमार पाढ़ी, डीन अकादमिक, प्रो. मनोज कुमार, वित्त अधिकारी, पी.के. पंडा, प्रो.

सुचेता सेन चौधरी, प्रो. रविन्द्र नाथ सरमा, डॉ. रजनीकांत पांडे, डॉ. शमशेर आलम, डॉ. सुदर्शन यादव आदि मौजूद थे।

एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की तरफ से प्रो. बी.वी. शर्मा, निदेशक, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता, डॉ. उमेश कुमार, सीनियर साइंटिस्ट, हेड ऑफिस, एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता, श्री राज किशोर महतो, सुदीप कुमार बेहरा भी मौजूद थे यह समझौता सीयूजे में हस्ताक्षरित किया गया जिसमें सीयूजे के एंथ्रोपोलॉजी विभाग के शिक्षक, शोधार्थी और अन्य लोग मौजूद थे।

कांके प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक

देश में संविधान और लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है : विधायक

नवीन मेल संवाददाता

कांके। कांके प्रखंड कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक कांके स्थित विधायक आवास में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चरिष्ट नेता संजर खान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा मौजूद रहे। बैठक में आगामी संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य अतिथि सुरेश कुमार बैठा ने भाजपा सरकार पर निशाना



साधते हुए कहा कि देश में लगातार संविधान और लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता बूध स्तर तक संगठन को सशक्त करने, युवाओं और महिलाओं को सक्रिय रूप से जोड़ने, तथा पंचायत चुनावों में

बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी बैठक को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ईडी, आईटी और सीबीआई जैसे एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

विशेष शिविर में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन नशा सामाजिक व्यवहार में भी नकारात्मक परिवर्तन लाता है : डॉ. रोशन



नवीन मेल संवाददाता

रांची। संतोष कालिंज ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड एजुकेशन की एनएसएस इकाई द्वारा हुलहुंड गांव में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना रहा।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ सायकेट्री से डॉ. रोशन उपस्थित रहे। डॉ. रोशन ने ब्राउन शुगर, गांजा, कोकीन, चरस आदि नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा

न केवल मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक व्यवहार में भी नकारात्मक परिवर्तन लाता है, जिससे हिंसक प्रवृत्तियों का जन्म होता है। साथ ही, नशे की प्रवृत्ति को नियंत्रित करने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में आरोग्य भारती से डॉ. डीएन तिवारी भी उपस्थित थे। डॉ. तिवारी ने पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के आधार पर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला और दैनिक जीवन में सरल उपायों से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के उपाय साझा किए।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त समाज की दिशा में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

पाक के खिलाफ ठोस कदम उठाने होंगे : मंत्री डॉ. इरफान

● केंद्र सरकार और खुफिया तंत्रों की नाकामी उजागर

● स्वास्थ्य मंत्री अपने चार महीने का वेतन सौंपेंगे शहीदों के परिवारों को

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कश्मीर के खूबसूरत पर्यटक स्थल में मासूमों के खून से देश को खून के आंसू रलाने वालों पर कार्रवाई के लिए केंद्र सरकार के साथ खड़े होने की बात मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कही। उन्होंने कहा कि राजनीति से ऊपर उठकर केंद्र सरकार को अब पाकिस्तान के खिलाफ ठोस कदम उठाने होंगे। यह दुख की घड़ी है और इस समय हमें एकजुट होकर पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देना होगा।

सुरक्षा में हुई चूक पर केंद्र

3 मई को धुर्वा मैदान में संविधान बचाओ रैली

● सर्वोच्च संस्थाओं पर उंगली उठाना लोकतंत्र का गला घोटने के समान : डा इरफान अंसारी

रांची/जामताड़ा। 3 मई को रांची के धुर्वा मैदान में होने वाली संविधान बचाओ रैली के लिए कांग्रेस पार्टी ने जामताड़ा से रणभेरी बजा दी है। रविवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के नेतृत्व में हुई रणनीतिक बैठक में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि अब भाजपा के झूठ और तानाशाही को जनता के सामने बेकाब करना है। डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा पर सीधा हमला करते हुए कहा कि भाजपा संविधान को चोरने पर तुली है। सुप्रीम कोर्ट



जैसी सर्वोच्च संस्थाओं पर उंगली उठाना लोकतंत्र का गला घोटने की साजिश है। अब देश चुप नहीं बैठेगा। संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस अंतिम सांस तक लड़ेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि संविधान पर हमला हुआ तो कांग्रेस सड़क से संसद तक हल्ला बोल देगी। कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया

गया कि वे हर गली, हर गांव, हर बूथ पर जाकर भाजपा के लोकतंत्र-विरोधी चेहरे को बेनकाब करें और जनता को इस संघर्ष का हिस्सा बनाएं। मौके पर पूर्व मंत्री बादल ने कहा की अगर संविधान बचाना है तो अब आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी। भाजपा देश को ममामनी आग में झोंकना चाहती है।

संस्थाओं पर उंगली उठाना लोकतंत्र का गला घोटने के समान : डा इरफान अंसारी

होती, तो यह घटना नहीं होती। उन्होंने केंद्र सरकार और खुफिया तंत्रों की नाकामी उजागर होने की बात कही है। शहीद परिवारों के

दुःख में खड़े होने की बात कहते हुए उन्होंने अपने चार महीने का वेतन शहीदों के परिवारों को देने की घोषणा की।

आतंकवादियों के मददगारों का पर्दाफाश करे राज्य सरकार : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर आतंकवाद के खिलाफ गंभीर नहीं होने का आरोप लगाया। श्री मरांडी ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरा देश एकजुट होकर इस्लामिक आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा है। केंद्र और राज्य सरकारों कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद के सफाए के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर करने का निर्देश दिया था। लेकिन झारखंड में हेमंत सरकार आतंकवाद के विरुद्ध ठोस कदम उठाने के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है।

कहा कि इसके विपरीत, झामुमो के मंत्री और प्रवक्ता गैर-जिम्मेदाराना और संवेदनहीन बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राजनीति करने के लिए आपको कई अवसर मिलेंगे, लेकिन इस कठिन समय में साढ़े तीन करोड़ झारखंडवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए राष्ट्र प्रथम की



मन की बात कार्यक्रम में आतंकवाद के खिलाफ कड़े संदेश : बाबूलाल मरांडी

आज भाजपा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने अपने अपने क्षेत्र में बूथों पर मन की बात कार्यक्रम को सुना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एम.नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया है। कहा कि प्रधानमंत्री ने आज फिर एक बार कहा कि आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कठोर कार्रवाई करने के लिए भारत संकल्पित है जिसमें भारत के 140 करोड़ जनता का भरोसा और विश्वास प्राप्त है। कहा कि इस लड़ाई में पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता प्रधानमंत्री जी के साथ खड़ी है। आतंकवाद उग्रवाद विकास का दुश्मन है। विकास और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। इसलिए आतंकवाद और उसके संरक्षकों पर कड़ी कार्रवाई का समय आ चुका है।

भावना के साथ राज्य में आतंकियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

कहा कि राज्य में आतंकियों की बढ़ती सक्रियता ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस भले ही समय-समय पर आतंकियों को गिरफ्तार कर रही हो, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन आतंकियों को

आदिवासी समाज के भावनाओं को सम्मान करे सरकार : विजय शंकर



रांची। सरकार अभी भी आंख खोले और आदिवासी समाज के भावनाओं को सम्मान करने का कार्य करे। उपरोक्त बातें आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कही। श्री नायक अल्बर्ट एक्का चौक में आदिवासी समाज के लोगों के द्वारा सीएम का पुतला दहन कार्यक्रम में समर्थन देने पहुंचे थे। उन्होंने मंच की ओर से आदिवासी समाज को अश्वस्त किया की आपके द्वारा चलाए जा रहे हर आंदोलन को आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच संदेव समर्थन करेगा। श्री नायक ने यह भी की कहा कि हेमंत सोरेन सरकार धृतराष्ट्र की तरह आंध्र बंद कर आदिवासी समाज के भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का कार्य कर रहे है और समाज के समस्याओं की अनदेखी कर रहे है।

पाक मुर्दाबाद के नारों से गुंजा धुर्वा युवा महावीर दल ने निकाला आक्रोशपूर्ण कैंडल मार्च



नवीन मेल संवाददाता

रांची। पंचमुखी मंदिर, धुर्वा से रविवार को युवा महावीर दल के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोशपूर्ण कैंडल मार्च निकाला गया। यह कैंडल मार्च सेक्टर-2 बाजार होते हुए ऐतिहासिक पुरानी विधानसभा भवन तक पहुंचा। सभा स्थल पर शहीदों की याद में दो मिन्ट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

आलोचक कुमार दुबे ने कहा "धर्म के नाम पर राजनीति करने वालों को देश ने नजर दिया है। भारत की असली पहचान गंगा-जमुनी तटबिंद में है, जिसे हर भारतवासी ने अपनाया है। आज का भारत एकजुट है चाहे जितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, हम सब एक साथ खड़े हैं। नफरत फैलाने वालों के मंसूबे कभी पूरे नहीं होंगे। हमारा देश प्रेम, एकता और भाईचारे की मिसाल है।" इस उग्र और ऊर्जावान कार्यक्रम का नेतृत्व आलोक कुमार दुबे, संजीत यादव, मंटू यादव, विठ्ठल कुमार, अभिषेक साहू, रविशंकर सिंह, परमेश्वर राम, बबलू शर्मा, रंजन यादव, परमेश्वर राम, मेहुल दुबे, अमित कुमार, माहेश्वरी कुमार, रिया कुमारी, संध्या कुमारी, काव्या कुमारी, सत्या कुमारी और तान्या कुमारी समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने किया।

युवा महावीर दल ने दिया स्पष्ट संदेश- "भारत को तोड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आतंकवाद और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।"

आज कल



74 आंदोलनकारियों व भूमिगत क्रांतिकारियों के पेंशन और सम्मान में एकरूपता जरूरी : डॉ.सूरज मंडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व सांसद डॉ. सूरज मंडल ने कहा कि 1974 की संपूर्ण क्रांति के आंदोलनकारियों एवं भूमिगत क्रांतिकारियों की पेंशन और सम्मान में राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 5 दशक के बाद भी 74 के उन आंदोलनकारियों एवं भूमिगत क्रांतिकारियों को अपेक्षित जीवन जीना पर रहा है जिनके कारण देश में लोकतंत्र जीवित रहा और उनका महत्व स्वतंत्रता सेनानियों से कम बिल्कुल भी नहीं है।



5 जून को रांची में भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच का धरना

रविवार को कांके रोड में स्थित अपने आवास में आयोजित मंच की बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. मंडल ने कहा कि जब सम्पूर्ण क्रांति के आंदोलनकारी किसी त्यागी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस संदर्भ में पत्र भेजा था तो उन्होंने सकारात्मक बातें कही थी।

किया जाएगा। उसके बाद राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को ज्ञापन राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाएगा। मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मंडल ने कहा कि अगले 25 जून को इस विषय पर प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष से इस सन्दर्भ में मिलने के लिये समय मांगा गया है। उन्होंने कहा कि 74 की संपूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं और आज पुनः जेपी के विचारों के अनुरूप, देश को पढ़ने एवं गढ़ने की जरूरत है और इसके लिए जरूरी है कि उन क्रांतिकारियों एवं आंदोलनकारियों को सम्मान

दिया जाए। इस अवसर पर बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. यदुनाथ पांडेय ने कहा कि तब जयप्रकाश नारायण ने सत्ता की बजाय व्यवस्था परिवर्तन का नारा सामने रखा था और आज भी बिलकुल वैसी ही बात है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सकारात्मक काम कर रही है लेकिन देश में अनेक क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ व्यवस्था परिवर्तन की आवश्यकता गंभीरता के साथ महसूस की जा रही है।

सिरमटोली फ्लाईओवर रैप निर्माण का विरोध आदिवासी संगठनों ने सीएम का पुतला फूँका

रांची। सिरमटोली में फ्लाईओवर रैप निर्माण के विरोध में आदिवासी संगठन के सदस्यों ने अल्बर्ट एक्का चौक पर सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूँका। पुतला दहन से पहले आदिवासी संगठन के लोग पुलिस के साथ उलझ गए और धक्का-मुक्की की। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आदिवासी संगठन के लोग भारी संख्या में जयपाल सिंह स्टैंडिंग में अल्बर्ट एक्का चौक की ओर बढ़ रहे थे जिस दौरान उन्हें पुलिस से रोक दिया। जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए और पुलिस के साथ उलझ गए।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्योंकि सच्ची सहेली में हैं 67 खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी

सच्ची सहेली

मार्केटिंग कांप्लेक्स में आग लगने से एक बुजुर्ग की मौत



परिवार को सुरक्षित बाहर निकाला अंत में झुलसे

राजधानी में लोअर बाजार थाना क्षेत्र के कांटेटोली स्थित एक मार्केटिंग कांप्लेक्स में रविवार को आग लगने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का घर दुकान के नीचे ही था। पुलिस सूत्रों के अनुसार आग लगने के बाद मृतक मोहम्मद फुलु ने अपने परिवार के लोगों को बाहर निकाला लेकिन जब उनकी बारी आई तो वे निकल न पाए जिस कारण उनकी मौत हो गई। स्थानियों के अनुसार आग लगने की घटना में कई लोग बेहोश हो गए थे। आसपास के लोगों ने बेहोश हुए लोगों को किसी तरह निकाला। आग लगने की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। आग लगने के कारणों का पता पुलिस के द्वारा लगाया जा रहा वहीं, कितने का नुकसान हुआ है इसका भी पुलिस पता लगा मुआयना किया जा रहा।

आज कल



संताल सांस्कृतिक सोसाइटी की नई कार्यकारणी गठित



रांची। मोरारबादी स्थित राजकीय अतिथिशाला में सभा का शुभारंभ सुखदेव टुडू की अध्यक्षता में हुई। सभा में सर्वसम्मति से पूर्व की कार्यकारणी समिति को भंग किया गया और नई कार्यकारणी का चुनाव किया गया। नव निर्वाचित कार्यकारणी समिति के सदस्यों में अध्यक्ष- मानल टुडू, उपाध्यक्ष- सुखदेव टुडू, महासचिव- नीरज कुमार सोरेन, सचिव- दिनेश कुमार मुर्मू, संयुक्त सचिव- संतोष हेमब्रम, कोषाध्यक्ष- सेत सुभाषा सोरेन, संरक्षक- सनातन मरांडी, सलाहकार- मार्शल भीम सोरेन एवं पटवारी सोरेन, संगठन महामंत्री- लक्ष्मी टुडू, संगठन मंत्री- सुसमिता मुर्मू, रोहित मुर्मू, निर्मल मुर्मू, बेनीराम मुर्मू, छात्र/छात्रा प्रतिनिधि- डॉ. दुर्गममय मुर्मू, नीरज मुर्मू, आशाकिरण मुर्मू, उषा किरण हांसदा। नव निर्वाचित सदस्यों का स्वागत करते हुए सनातन मरांडी ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

छात्रों, युवाओं के अधिकारों का हो रहा हनन : केशव महतो

रांची। तीन मई को होने वाली संविधान बचाओ रैली की सफलता के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में रविवार को बैठक आयोजित की गई। इसमें विभिन्न प्रकोष्ठों, मोर्चों, विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश के छात्रों, युवाओं विभिन्न समुदायों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। संविधान के अनुसार देश की शासन व्यवस्था नहीं चल रही है, बल्कि संविधान के प्रावधानों को कुचल कर तानाशाही रवैयें के साथ निरंकुश शासन प्रणाली अपनायी जा रही है। छात्रों का भविष्य, युवाओं के सपने, महिलाओं का सम्मान, नागरिकों का आत्म सम्मान कुचला जा रहा है। अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने लोगों की आवाज कोई नहीं सुन रहा।

सेवा भारती हितचिंतक सम्मेलन सांख्य

सामाजिक परिवर्तन के लिए सेवा करती है सेवा भारती : रामेंद्र सिंह

नवीन मेल संवाददाता। रांची

सेवा भारती के तत्वावधान में हितचिंतक सम्मेलन रांची के हरमू रोड स्थित काव्य रेस्टोरेंट के सभागार में संपन्न हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही मां दुर्गा की स्तुति पर भव्य नृत्य की प्रस्तुति हुई। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सेवा भारती के राष्ट्रीय मंत्री रामेंद्र सिंह ने कहा कि सेवा भारती अखिल भारतीय स्तर पर विभिन्न सेवा आगमों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन का कार्य कर रही है। समाज के वंचित, उपेक्षित, पीड़ित और अभावग्रस्त वर्गों में शिक्षा, स्वास्थ्य, जवाबलंबन, सामाजिक संस्कारों का अखंड स्वागत कर समस्त समाज का निर्माण किया जा रहा है। अपने ही समाज के कई लोग मूलभूत सुविधाओं, अधिकारों और व्यवस्थाओं से विमुख हैं। ऐसे समाज में सेवा कार्यों को और गति देने की आवश्यकता है। आज सम्पूर्ण समाज में सेवा भारती की प्रतिक्रिया स्थापित हुई है। संस्था के निरन्तर सेवा

अग्रवाल युवा सभा की आम सभा व शपथ ग्रहण का हुआ आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

महाराजा अग्रसेन भवन में अग्रवाल युवा सभा द्वारा सत्र 2024-25 की वार्षिक आम सभा एवं शपथ ग्रहण का भव्य आयोजन सुबह 11:30 बजे से भवन के सभागार में अध्यक्ष सौरव बजाज की अध्यक्षता में किया गया। मंच का संचालन सचिव रौनक झुनझुनवाला ने किया। अध्यक्ष ने सत्र 2024-25 वार्षिक आम सभा में आए हुए सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया, तत्पश्चात कोषाध्यक्ष दीपक गोयनका ने गत वर्ष के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। सर्वसम्मति से प्रस्तुत ब्यौरे को पारित किया गया एवं अध्यक्ष की अनुमति से खुला सत्र चलाया गया जिसमें कई सदस्यों ने अपने सुझाव एवं जिज्ञासाओं को पंचासीन पदाधिकारियों के समक्ष रखा। गत वर्ष में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए अग्र स्तंभ सम्मान से सभी संयोजकों एवं सहसंयोजकों को संस्थापक सदस्यों द्वारा प्रतीक चीन्हा देकर एवं पुष्पा उडाकर सम्मान किया गया। संस्थापक सदस्य द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष रौनक झुनझुनवाला ने अध्यक्ष पद का पदभार



- नई कार्यकारिणी
1. अध्यक्ष - रौनक झुनझुनवाला
 2. उपाध्यक्ष - कुपाल जलान, रोहित सरावगी, सज्जी दिबेरवाल
 3. सचिव - दीपक गोयंका
 4. सहसचिव - शुभम लोहिया, सौरभ सरावगी
 5. कोषाध्यक्ष - चेतन पोद्दार
 6. प्रवक्ता - अरुण पोद्दार

ग्रहण किया तथा उमंग सुलतानिया द्वारा अध्यक्ष का शपथ ग्रहण कराया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया एवं सभी पदाधिकारी ने अपने-अपने पदभार हेतु शपथ ली। अनीश सरावगी, अमित बजाज, अलोक बजाज, आशुतोष खेतान, आभाष बथवाल, कुशल सराफ, मयूर पोद्दार, मोहित अग्रवाल, मुदित धरणीधरका, निशान अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, श्रेय जलान, सौरव रायका, सौरभ पोद्दार, सुमित महलका, विकास गोयल, विशाल

सिंघानिया, विशाल महलका, विवेक लोहिया, तरुण सराफ, यश सुरका। निवर्तमान अध्यक्ष सौरभ बजाज द्वारा सभी कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं दी गईं। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रौनक झुनझुनवाला को मारवाड़ी युवा मंच रांची शाखा, मारवाड़ी युवा मंच महिला समर्पण शाखा, अग्रवाल सभा एवं मारवाड़ी सहायक समिति रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन ने पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं पुष्पा उडाकर सम्मानित किया। सभा के अंत में सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।



कार्यों में समाज की सज्जनशक्ति, हितचिंतकों का बड़ा योगदान रहता है। हितचिंतक सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि पूर्व सदस्य, राज्यसभा महेश पोद्दार ने कहा कि समाज में सेवा के नाम पर कई अवांछित स्वयंसेवी संस्थाएं चल रही हैं और सिर्फ कमाने - खाने के लिए सरकारी संसाधनों का उपयोग करते हैं। स्वयं का स्वार्थ त्याग कर सेवा कार्य करने से सही मायने में समाज का उत्थन होगा। मौके पर सेवा भारती के

संरक्षक डॉ. एच पी नारायण ने सेवा कार्य के लिए उत्प्रेरित किया। कार्यक्रम में सेवा भारती की वार्षिक उपलब्धियों को साझा करते हुए संस्था के सचिव ऋषि पाण्डेय ने बताया कि सेवा कार्यों से बस्ती परिवर्तन हुए हैं। पिछड़े वर्गों में शिक्षा, संस्कार, आरोग्य के प्रति जागृति आई है और स्वावलंबन की दृष्टि से महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हुआ है। आगामी वर्षों में सेवा भारती द्वारा प्रखंड स्तर तक समस्याओं का अध्ययन कर समस्यापूरक सेवा

कार्य विस्तार करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके पूर्व कार्यक्रम में सेवा भारती के सेवा कार्यों की डाक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया साथ ही राष्ट्रीय सेवा साधना पत्रिका की वार्षिक अंक "आपदा प्रबंधन" विशेषांक का विमोचन किया गया। मौके पर आपदा प्रबंधन विशेषांक सापेक्ष विषय सेवा भारती, रांची महानगर के सचिव श्याम टोका ने रखा। मौके पर हितचिंतक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संचालक देवव्रत पाहन का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ जबकि धन्यवाद ज्ञापन सेवा भारती के न्यासी चंद्रकांत रायपत ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण प्रसाद, सह प्रती संघचालक अशोक श्रीवास्तव, पवन मंत्री, राधेश्याम अग्रवाल, गोपाल सिंह, अभिजीत घोष, शंभु ठाकुर, निर्मला कौर, शुभेंद्र भट्ट, रमाशंकर बर्गड़िया, राजकुमार साहू, कंचन प्रभा, डॉ. निधि सहाय, निशि जयसवाल, कमल केडिया रमाकांत दुबे सहित रांची, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग सेवा भारती के हितचिंतक, शुभचिंतक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पहलगाम की घटना पर झारखंड में है उबाल

देश के दुश्मनों का सफाया चाहते हैं राजधानी के लोग

पाकिस्तान में लोकप्रिय भारत विरोधी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर का रांची में हो रहा है विरोध

रांची के अलग-अलग इलाकों में लोगों ने कैंडल मार्च कर निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर गहरा दुख जताया

काजल मेहता

रांची। कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 27 निर्दोष पर्यटकों की हत्या से पूरा देश मर्माहत है। निर्दोषों के नृशंस हत्या को लेकर पूरा झारखंड में उबाल है। बिरसा मुंडा की धरती अड़की से लेकर किसान प्रधान पिछोरिया तक विरोध प्रदर्शन कर सिर्फ एकता का परिचय नहीं दिया बल्कि अभूतपूर्व आक्रोश भी देखने को मिला। पूरा विपक्ष दोषियों पर कार्रवाई की मांग का समर्थन कर रहा है। लेकिन दो चर्चित लोग जिसमें एक आचार्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि कोई त्वरित कार्रवाई नहीं होगी। इसका समाधान निकालने में 20 वर्ष का समय लगेगा। साथ ही उन्होंने कहा मोदी सरकार जनता को मुर्ख बना रही है। वहीं, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेहा सिंह राठौर का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साजिश है। इस बयान के बाद इन्फ्लुएंसर नेहा को पकिस्तान तक प्रसारित किया जा रहा है। पकिस्तान के मंत्री ने भी इन्फ्लुएंसर के ब्यान को ट्वीट किया। राष्ट्रीय नवीन मेल ने जानने की कोशिश कि की राजधानी रांची के लोग इस मुद्दे पर क्या सोचते हैं।

ऐसे वक्त में सरकार को समर्थन देने की जरूरत : मो. नौशाद



सीनियर सोशल मानवार्थिकार के एक्टिविस्ट मोहम्मद नौशाद ने कहा कि नेहा सिंह राठौर किस बुनियाद पर ऐसे बयान दे रही है ये कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा ऐसे वक्त में सरकार को समर्थन देने की जरूरत है। साथ ही उन्होंने कहा पूरे झुंड़े पर जो करना है सरकार करेगी, कहां चूक या गलती हुई है कि ऐसी घटना को अंजाम दिया गया। वहीं आचार्य की बातों पर मोहम्मद नौशाद ने कहा 20 साल लगे या 10 साल लगे लेकिन इसकी शुरुआत करने की जरूरत है। वहीं पकिस्तान के प्रति भारत की नाराजगी है। वहीं भारत ने सारे रिश्ते पाकिस्तान से खत्म कर दिया है। वहीं युद्ध अंतिम रास्ता है यदि समझाने से नहीं समझे तो युद्ध का रास्ता अपनाना सही होगा।

नेहा सिंह राठौर का बयान बेबुनियाद : धर्मेंद्र महतो



राजद जिला अध्यक्ष जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने कहा कि नेहा सिंह राठौर के द्वारा कहा गया जो कुछ भी है सब बेबुनियाद है। कोई भी नेता ऐसा नहीं कर सकता है। रही बात पुलवामा आतंक की तो केंद्र सरकार इसके लिए जिम्मेदार है। सीमा केंद्र सरकार के हाथों में है और इस तरह के लोग आतंकी यदि सीमा पर करके हथियार के साथ आ रहे हैं और ऐसी घटना को अंजाम दे रहे हैं तो केंद्र सरकार के कानों पर सवाल उठाना लाजमी है। प्रधानमंत्री के पहलगाम ना जाने पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में चुनौती भाषण दे रहे हैं पीएम लेकिन पहलगाम नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से बदला लेने के लिए युद्ध विकल्प नहीं है बल्कि पेट पर पार करके बदला लेना है। लेकिन सिंधु नदी की पानी को कैसे रोका जा सकता है जो 5 नदियों का मेल है। सिंधु नदी में हर नदी को रोका जाना मुश्किल है। इसे रोकने के लिए भारत सरकार को 20 साल लग जाएगा। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि वक्त चाहे कितना भी लगे लेकिन शुरुआत किया जाना चाहिए। सिर्फ एलान करके जनता का दिल जितने की कोशिश नहीं करना चाहिए।



देश के नागरिक का ऐसा बयान शर्मनाक : डॉ. अपर्णा

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. अपर्णा ने कहा कि प्रधानमंत्री पर कई आरोप लगाए जा रहे हैं। यह भारत के किसी भी नागरिक के द्वारा नकारात्मक बयान देना शर्मनाक है। नेहा सिंह राठौर जैसे लोग टीआरपी के लिए कुछ भी कहते और करते हैं। यह हमला पीएम मोदी पर या फिर पकिस्तान के किसी नागरिक पर नहीं हुआ है यह हमला हिन्दुस्तान और यहां के नागरिकों पर हुआ है। उन्होंने कहा कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने भारत की शक्ति को भंग करने की कोशिश की है। सब कुछ साधरण तरीके से चल रहा था लेकिन इस घटना को अंजाम देने वाले को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि अब आने वाले लंबे समय तक हम कश्मीर जाने की नहीं सोच सकते हैं। अपर्णा ने कहा कि आतंकियों को कश्मीर के किसी न किसी स्थानीय का समर्थन तो मिला होगा।

अभी का समय पीएम को साथ देने का है : आरती



अधिका आरती ने कहा कि यह कहना गलत है कि इस घटना के पीछे प्रधानमंत्री की साजिश है। पहलगाम घटना में पाकिस्तान और आतंक का हाथ है। इस समय हम सभी भारतीयों को एकता दिखाने और प्रधानमंत्री को साथ देने का समय है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए आक्रामक होना होगा। अब भारत को युद्ध करना होगा, ताकि ऐसे आतंकियों का खाल्ला हो सके जो निर्दोषों की हत्या करते आए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि युद्ध से भारत का भी नुकसान होगा लेकिन कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। हालांकि उनका यह भी कहना है की भारत मजबूती के साथ युद्ध करेगा पकिस्तान भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

पाक का पीठ नहीं, पेट पर हमला हो : रितेश कुमार दीपक



रांची निवासी रितेश कुमार दीपक ने कहा कि प्रधानमंत्री पर जो आरोप लगा रहे हैं वह गलत हैं। पीएम मोदी ऐसा अनैतिक कार्य नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा पकिस्तान के खिलाफ जितने भी कदम भारत सरकार द्वारा उठाए गए हैं सब का स्वागत भारत की जनता कर रही है। युद्ध या आक्रामक करने से हमारा भी नुकसान होगा। इस से बेहतर है पीठ पर हमला ना करके पेट पर हमला किया जाना चाहिए। जो की बखूबी किया जा रहा है।

राजनीति नहीं, कार्रवाई करे सरकार : सफीक खान



सफीक खान ने कहा हमें नहीं मालूम है कि पानी को कैसे रोका जा रहा है वास्तव में रोका जा रहा है या सिर्फ राजनीति की जा रही है। वहीं यह भी कहना गलत होगा की एलान कर देने से कुछ भी मुमकिन नहीं होता है। इसे वास्तव में करके दिखाना बड़ी बात होगी। उन्होंने केंद्र सरकार से कहा राजनीति नहीं कार्रवाई करके दिखाना होगा। सफिक खान ने कश्मीर के सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा यदि खुलेआम इस तरह की घटना हो रही है तो सरकार और स्थानीय प्रशासन की बड़ी लापरवाही है।

पहलगाम का आतंकी हमला कायरता का परिणाम : अरविंद



अड़की निवासी अरविंद कुमार ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमला कायरता का प्रमाण है। वहीं, पीएम मोदी पर लगा रहे आरोपों पर उनका कहना है आरोप लगाया अलग है लेकिन वह देश के मुखिया है देश के लिए बेहतर कदम उठा रहे हैं। इसमें किसी भी नागरिक को राजनीति नहीं करनी चाहिए।

आदिवासी छात्र संघ आज डीएसपीएमयू को कराएंगे बंद



रांची। आदिवासी छात्र संघ (एसीएस) ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू), के ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेज (टीआरएल) विभाग सहित अन्य विभागों में व्याप्त समस्याओं चिंता जताई है। वहीं समस्याओं पर विश्वविद्यालय प्रशासन को ध्यान आकृष्ट कराया है। एसीएस ने जिन समस्याओं को बताया है उसमें टीआरएल विभाग में शिक्षकों की भारी कमी, कक्षा-कक्षा की अपर्याप्त संख्या, शौचालयों में पानी और साफ-सफाई की कमी, अखाड़ा में मंच (स्टेज) एवं शेड का निर्माण शामिल है। विदित हो कि विगत 7 जनवरी 2025 को इन्हीं मांगों को लेकर विश्वविद्यालय बंद कराया गया था। उसके बाद 16 जनवरी 2025 को ट्राइबल एंड रीजनल लैंग्वेज विभाग के सभी फैकल्टी सदस्यों, आदिवासी छात्र संघ के प्रतिनिधिमंडल और विश्वविद्यालय प्रशासन के सभी पदाधिकारियों के बीच कुलपति की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक में विश्वविद्यालय प्रशासन ने 15 दिनों के भीतर समस्याओं के समाधान का स्पष्ट आश्वासन दिया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद भी इस दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

लूट के इरादे से आए आरोपियों ने दुष्कर्म की घटना को दिया अंजाम



नवीन मेल संवाददाता। रांची करते हुए पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस डीआईजी सह एएसपी के निर्देशन में एक टीम का गठन किया गया। गतिट टीम का द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना और तकनीकी सहयोग से घटना में शामिल अभियुक्त दो भाई राजेश उरांव, राजेन्द्र उरांव, और एक फिशोर को निरुद्ध किया गया तथा गिरफ्तार अपराधियों के निशानदेही के आधार पर मामले में लूट गये मोबाइल, नगद रूपया, चंदी की पायल और चंदी की अंगुठी को बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक फिस्टल, दो जिन्य गोली, एक बजाज कब्रिज की मोटरसाइडकिल और एक ओपी कंपनी का मोबाइल बरामद किया गया।

नेहा सिंह राठौर सस्ती लोकप्रियता के लिए बोल रही हैं : दीपक कुमार



आम नागरिक दीपक कुमार ने कहा कि नेहा सिंह राठौर सस्ती लोकप्रियता के लिए कुछ भी बोल सकती हैं। हमारा देश आजाद है यहां बोलने की आजादी है। जिनका नुकसान हुआ है उनकी पूर्ति तो नहीं हो सकती इसलिए घटिया बयान बाजी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पकिस्तान को भारत के खिलाफ कुछ चाहिए और हमें आज जैसे व्यक्ति की बातों को प्रोपेगेंडा बना रही है तो यह पकिस्तान की मानसिकता है। सिंधु नदी बंद करना छोटी बात नहीं है। पाक के हर घर को परेशानी का सामना करना होगा, यदि इसके बाद भी पकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आएगा तो युद्ध आखिरी विकल्प है।

संपादकीय

पाकिस्तान की दीदादिलेरी और सीनाजोरी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान, जिसमें उन्होंने सार्वजनिक रूप से कबूलनामा है कि पाकिस्तान सरकार तीन दशकों से आतंकी संगठनों को समर्थन और प्रशिक्षण देने का ‘गंदा काम’ करती आई है, पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को तो उजागर करता ही है, भारत के उस दावे की भी पुष्टि करता है, जिसे वह दशकों से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दोहराता आया है कि पाकिस्तान आतंकवाद का पनाहगाह है। यह कबूलनामा उस नीति की पोल भी खोलता है, जिसमें पाकिस्तान ने एक ओर खुद को आतंकवाद का शिकार बताया, वहीं दूसरी ओर आतंक को अपनी रणनीति के रूप में इस्तेमाल किया।



कबूलनामा उस नीति की पोल भी खोलता है, जिसमें पाकिस्तान ने एक ओर खुद को आतंकवाद का शिकार बताया, वहीं दूसरी ओर आतंक को अपनी रणनीति के रूप में इस्तेमाल किया।

उसके दावों को खोखला ही साबित करता है। अलबत्ता यह बयान वैश्विक राजनीति और आतंकवाद के अंतर्संबंधों पर भी गंभीर सवालिया निशान लगाता है। यह अमेरिका व पाकिस्तान के गठजोड़ की उस स्याह सच्चाई को भी उजागर करता है, जो दशकों से दक्षिण एशिया की शांति को निगलती रही है। यह पहला अवसर नहीं है, जब पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठे हैं, पर यह पहली बार है, जब खुद पाकिस्तान के एक शीर्ष मंत्री ने माना कि उन्होंने विदेशी हितों-खासकर अमेरिका-की पूर्ति के लिए आतंकी संगठनों को समर्थन व धन मुहैया कराया था। यह दरअसल, उस राष्ट्र की आत्म-स्वीकृति है, जिसने हमेशा आतंकवाद को एक रणनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में पाकिस्तान की यह स्वीकाराविका एक महत्वपूर्ण मोड़ है, जो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उस सच्चाई से रू-ब-रू कराती है, जिसे भारत लंबे समय से उजागर करता आया है। भारत को इस कबूलनामे को एक कूटनीतिक अवसर के रूप में इस्तेमाल करते हुए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सशक्त ढंग से उठाना भी चाहिए। जब एक देश का रक्षा मंत्री खुद यह मान रहा है कि उनका देश ‘गंदा काम’ कर रहा था, तो फिर इस पर चुप्पी आतंकवाद को और बल देने वाली होगी।

पहलगाम में हिंदुओं की पहचान कर मार दी गयी गोलियां यह एक जिहादी आतंकी हमला

पहलगाम में मरने वाले मृतक हैं? पर्यटक हैं? मारने वाले चरमपंथी हैं? आतंकी हैं? शायद हम शब्द चयन में वही बुनियादी गलती कर रहे हैं जो 75 साल से करते आ रहे हैं। जिन 26 लोगों को मौत के घाट उतारा गया है वे हिंदू थे। इसीलिए किसी ने उनकी जात, प्रान्त, भाषा नहीं पूछी केवल कलमा पढ़ाया और जो नहीं पढ़ पाए वे मौत के घाट उतार दिए गए। यह जिहादी प्रैक्टिस है। जो हिंसा, यह घोषित जिहाद है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। जिहादी आतंकवादियों ने हिन्दुओं का खून बहाया है। हर्डेलिजेंसह इनपुट के अनुसार इस हमले को जिहमेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली, पहलगाम हमला में जो 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का जिहादी आतंकी संगठन है। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिन्दू रहते हैं। आखिर हिन्दुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है जो लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके वह जिहादी या गैर मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेकों आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं। भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईस्वी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों, में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़यां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहाँ का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिन्दू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये जिहादी घटनाएँ बार-बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी वे रुकने का नाम नहीं लेते। वे सिराफिरे नहीं हैं, वे बेकार हैं हिंसा नहीं कर रहे हैं, उनका मकसद साफ है। जैसा भ्रमशायक या लोगों को भुलावे में रखने के लिए कह दिया जाता है कि आतंकवादी का कोई मजहब या धर्म नहीं होता, जिहादी, आतंकवाद के संदर्भ में इस सत्य को ठीक से समझकर ही भारत पर हो रहे राजनीतिक, आध्यात्मिक, अन्य हिंसात्मक, लव जिहाद, लैण्ड जिहाद, धर्म परिवर्तन, हिंदू धार्मिक शोभा यात्राओं पर पथराव जैसे अनेक प्रकार के आक्रमणों को समझा जा सकता है। अन्य मजहब की वैसी मान्यताओं के ठीक विपरीत हिंदू धर्म किसी मतवाद, विश्वास आदि को धर्म का आधार नहीं मानता। इसीलिए हिंदू धर्म उस तरह सामाजिक-राजनीतिक



आपकी बात से रोटी मांगता था शहर ने उसे भी अब समझा लिया था। एक दिन मैंने उस फूड ट्रक वाले से बूढ़े बिल्ले का जिक्र किया। उसने बड़ी ही सहजता से कहा, “अरे भाईयाब, ऐसे लोग आते-जाते रहते हैं।” हमारा बिजनेस ही असली सच्चाई है।” मैंने महसूस किया कि यह शहर सपनों का, पर हकीकत का कट्ट सत्य भी है। बूढ़ा बिल्ला अब किधर है, यह न शहर जानता है न मैं। और शायद, न यह जानने की फुरसत है। न मैं भेट्टो चल पड़ी है, पर बूढ़े बिल्ले की गाड़ी शायद कहीं पटरी पर ही छूट गई। शहर का चमकता भविष्य, अंधेरे में गुमे एक बूढ़े का मौन सत्य बन चुका था। यह कहानी किसी बूढ़े बिल्ले की नहीं, बल्कि हर उस सपने की है, जो शहर की चकाचौंध में खो जाता है। चाय की टपरी अब ‘क्लाउड कैफे’ में बदल गई है, पर बूढ़े बिल्ले जैसे लोग अपनी गुमनामी में कहीं बदल नहीं पाए। शहर चलता रहता है, और हम सब अपनी-अपनी ‘मेट्रो’ में सवार होकर आगे बढ़ते जाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं, कोई बूढ़ा बिल्ला, अपने पुराने थैले के साथ, हमें देखता रहता है। शायद पूछता होगा- क्या तुम सच में बढ़ गए हो? (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

देश की बात



योगाचार्य महेश पाल

शरणार्थी बनने को विवश हुए। यह स्वतंत्र भारत में हुआ, पश्चिम बंगाल, समेत कई राज्यों में निरंतर हो रहा है। आज पहलगाम के जिहादी आतंकवादी हमले में भी वही हुआ है और हिंदुओं को चुन-चुन कर नाम पूछ कर मार दिया गया है, दार-उल-हर्ब है, और इस्लामी सिद्धान्तों के अनुसार मुसलमानों द्वारा जिहाद की घोषणा करना न्यायसंगत है। वे जिहाद की घोषणा ही नहीं कर सकते, बल्कि उसकी सफलता के लिए विदेशी मुस्लिम शक्ति की मदद भी ले सकते हैं, और यदि विदेशी मुस्लिम शक्ति जिहाद की घोषणा करना चाहती है तो उसकी सफलता के लिए सहायता दे सकते हैं। इस बात

आपकी बात



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरवृत्स

सपनों का, पर हकीकत का कट्ट सत्य भी है। बूढ़ा बिल्ला अब किधर है, यह न शहर जानता है न मैं। और शायद, न यह जानने की फुरसत है। न मैं भेट्टो चल पड़ी है, पर बूढ़े बिल्ले की गाड़ी शायद कहीं पटरी पर ही छूट गई। शहर का चमकता भविष्य, अंधेरे में गुमे एक बूढ़े का मौन सत्य बन चुका था। यह कहानी किसी बूढ़े बिल्ले की नहीं, बल्कि हर उस सपने की है, जो शहर की चकाचौंध में खो जाता है। चाय की टपरी अब ‘क्लाउड कैफे’ में बदल गई है, पर बूढ़े बिल्ले जैसे लोग अपनी गुमनामी में कहीं बदल नहीं पाए। शहर चलता रहता है, और हम सब अपनी-अपनी ‘मेट्रो’ में सवार होकर आगे बढ़ते जाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं, कोई बूढ़ा बिल्ला, अपने पुराने थैले के साथ, हमें देखता रहता है। शायद पूछता होगा- क्या तुम सच में बढ़ गए हो? (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

झारखंड में निकाय चुनाव का न होना : लोकतंत्र की जड़ों पर कुठाराघात

झारखंड के तेरह नगर निकायों में वर्ष 2020 से चुनाव लंबित हैं और पैंतीस शहरी निकायों का कार्यकाल 2023 में ही समाप्त हो चुका है। गत जनवरी माह में उच्च न्यायालय ने इसके लिए सोलह मई का डेडलाइन मुकर्रर कर रखा है। अप्रैल माह अब समाप्त पर है परन्तु चुनाव के आसार कम ही नजर आ रहे हैं। ऐसा तब है जबकि भारतीय संविधान के 74 वें संशोधन के अनुसार वर्ष 1992 से स्थानीय निकायों को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है। ऐसे में संविधान के अनुच्छेद 243 के अनुसार प्रत्येक पांच वर्षों में इसका चुनाव अनिवार्य श्रेणी में अधिसूचित है। दुर्भाग्यवश संविधान की इस व्यवस्था के बावजूद झारखंड में जनगणना के अद्यतन आंकड़ों की अनुपलब्धता और ओबीसी आरक्षण पर अदालती रोक का हवाला देकर चुनाव को टाल दिया गया है। यह स्थिति संवैधानिक कर्तव्य के ऊपर कतई नहीं है फिर भी बिड़बना देखिए चुनाव के अभाव में सड़क, जल निकासी, सफाई, स्ट्रीट लाइट, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, भवनों के नक्शे पास करवाने आदि मूलभूत सेवाओं में गिरावट दर्ज की जा रही है और होल्डिंग टैक्स के नाम पर आम लोगों के शोषण की संभावनाओं के बीच कचरा प्रबंधन व स्वच्छता मिशन जैसे विषय अफसरशाही की फाइलों में कहीं गुम होकर रह गए हैं। लोकतंत्र में निर्वाचित निकाय के न होने का सबसे गंभीर असर लोक जवाबदेही पर पड़ता है और नेतृत्व विहीन जनता के लिए आरटीआई, सामाजिक अंकेक्षण, वार्ड समितियाँ जैसी व्यवस्थाएँ स्वतः निष्क्रिय होने लगती हैं। इसी तरह यहाँ की महिलाओं व शोषित वंचित वर्ग के साथ साथ अनुप्राप्त जाति, अनुप्राप्त जनजाति व पिछड़े समाज का नेतृत्व व सामाजिक न्याय की प्रक्रिया लगभग ठहर ही गई है तो दूसरी तरफ झारखंड को शहरी विकास के लिए आवंटित पन्द्रहवें वित्त आयोग की आवंटित राशि से भी वंचित होना पड़ रहा है। यहाँ न्यायालय को वह टिप्पणी प्रासांगिक है जिसमें उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के संदर्भ में यह व्यवस्था दी थी कि “ओबीसीआरक्षण से पहले जनगणना आधारित रिपोर्ट अनिवार्य है पर चुनाव न करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।” प्रांतीय सरकारों को सीमाओं व दायित्वों का बोध करानेवाली न्यायापालिका की इस व्यवस्था के बावजूद यदि झारखंड में निकाय चुनाव नहीं हो रहे हैं तो इससे सरकार की ईमानदारी और इच्छाशक्ति पर सवाल उठने ही चाहिए क्योंकि इसे सिर्फ प्रशासनिक अक्षमता कहकर ही नहीं टाला जा सकता। इसके लिए कई विकल्प हो सकते थे। जनगणना आंकड़ों के लिए वैकल्पिक उपाय किया जा सकता था, समय रहते ओबीसी आयोग को सक्रिय करके इस अव्यवस्था से बाहर निकला जा सकता था और आरक्षित सीटों पर उपचुनाव की पारदर्शितापूर्ण निर्णय लेकर बिना आरक्षण के भी चुनाव करवाया जा सकता था। इस मामले को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो झारखंड की बदतर स्थिति का आकलन स्वतः किया जा सकता है। बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे अधिकांश राज्यों में नगर निकायों का समय पर चुनाव कराए जा चुके हैं जबकि झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष आगामी सोलह मई को रिपोर्ट करने बाध्यता के बीच ओबीसी आयोग के अस्थायी पद वित्त कर्मियों से रिक्त पड़ा हुआ है, राजधानी रांची का रिपोर्ट अधूरा पड़ा हुआ है और राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त पद पर भी किसी की नियुक्ति नहीं हो सकी है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि झारखंड में निकाय चुनाव का मामला किसी राजनीतिक नफा नुकसान की भेंट तो नहीं चढ़ गया है? सभी जानते हैं कि स्थानीय निकायों के चुनाव अक्सर स्थानीय संगठनों व विपक्ष को सक्रिय करने लगता है और यह असंतोष अंततः राज्य-स्तरीय राजनीति को प्रभावित करने की राह आसान बना सकता है। तो क्या इन चुनावों में बिलंब की नीति अपनाकर सत्ताधारी दल किसी असहज राजनीतिक स्थिति से बचने की चुनत में तो नहीं है? राजनीतिक स्वार्थ को इस टकराव में मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान तक लाने में विपक्ष की चुप्पी भी रहस्यमयी है जबकि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट में तेजी लाकर इस विषय का अविलंब निपटारा किया जा सकता है। हैरानी इस बात पर भी होती है कि पक्ष विपक्ष की ओर से ऐसा कोई संकेत तब नहीं है जब झारखंडी अस्मिता वाले निकायों में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना का विषय आज किसी प्रशासनिक विफलता का नहीं बल्कि संवैधानिक व राजनीतिक नैतिकता का विषय बन चुका है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात



केदारनाथ दास

उपर कतई नहीं है फिर भी बिड़बना देखिए चुनाव के अभाव में सड़क, जल निकासी, सफाई, स्ट्रीट लाइट, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, भवनों के नक्शे पास करवाने आदि मूलभूत सेवाओं में गिरावट दर्ज की जा रही है और होल्डिंग टैक्स के नाम पर आम लोगों के शोषण की संभावनाओं के बीच कचरा प्रबंधन व स्वच्छता मिशन जैसे विषय अफसरशाही की फाइलों में कहीं गुम होकर रह गए हैं। लोकतंत्र में निर्वाचित निकाय के न होने का सबसे गंभीर असर लोक जवाबदेही पर पड़ता है और नेतृत्व विहीन जनता के लिए आरटीआई, सामाजिक अंकेक्षण, वार्ड समितियाँ जैसी व्यवस्थाएँ स्वतः निष्क्रिय होने लगती हैं। इसी तरह यहाँ की महिलाओं व शोषित वंचित वर्ग के साथ साथ अनुप्राप्त जाति, अनुप्राप्त जनजाति व पिछड़े समाज का नेतृत्व व सामाजिक न्याय की प्रक्रिया लगभग ठहर ही गई है तो दूसरी तरफ झारखंड को शहरी विकास के लिए आवंटित पन्द्रहवें वित्त आयोग की आवंटित राशि से भी वंचित होना पड़ रहा है। यहाँ न्यायालय को वह टिप्पणी प्रासांगिक है जिसमें उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के संदर्भ में यह व्यवस्था दी थी कि “ओबीसीआरक्षण से पहले जनगणना आधारित रिपोर्ट अनिवार्य है पर चुनाव न करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।” प्रांतीय सरकारों को सीमाओं व दायित्वों का बोध करानेवाली न्यायापालिका की इस व्यवस्था के बावजूद यदि झारखंड में निकाय चुनाव नहीं हो रहे हैं तो इससे सरकार की ईमानदारी और इच्छाशक्ति पर सवाल उठने ही चाहिए क्योंकि इसे सिर्फ प्रशासनिक अक्षमता कहकर ही नहीं टाला जा सकता। इसके लिए कई विकल्प हो सकते थे। जनगणना आंकड़ों के लिए वैकल्पिक उपाय किया जा सकता था, समय रहते ओबीसी आयोग को सक्रिय करके इस अव्यवस्था से बाहर निकला जा सकता था और आरक्षित सीटों पर उपचुनाव की पारदर्शितापूर्ण निर्णय लेकर बिना आरक्षण के भी चुनाव करवाया जा सकता था। इस मामले को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो झारखंड की बदतर स्थिति का आकलन स्वतः किया जा सकता है। बिहार, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे अधिकांश राज्यों में नगर निकायों का समय पर चुनाव कराए जा चुके हैं जबकि झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष आगामी सोलह मई को रिपोर्ट करने बाध्यता के बीच ओबीसी आयोग के अस्थायी पद वित्त कर्मियों से रिक्त पड़ा हुआ है, राजधानी रांची का रिपोर्ट अधूरा पड़ा हुआ है और राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त पद पर भी किसी की नियुक्ति नहीं हो सकी है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे हैं कि झारखंड में निकाय चुनाव का मामला किसी राजनीतिक नफा नुकसान की भेंट तो नहीं चढ़ गया है? सभी जानते हैं कि स्थानीय निकायों के चुनाव अक्सर स्थानीय संगठनों व विपक्ष को सक्रिय करने लगता है और यह असंतोष अंततः राज्य-स्तरीय राजनीति को प्रभावित करने की राह आसान बना सकता है। तो क्या इन चुनावों में बिलंब की नीति अपनाकर सत्ताधारी दल किसी असहज राजनीतिक स्थिति से बचने की चुनत में तो नहीं है? राजनीतिक स्वार्थ को इस टकराव में मामले को चुनाव आयोग के संज्ञान तक लाने में विपक्ष की चुप्पी भी रहस्यमयी है जबकि ओबीसी आयोग की रिपोर्ट में तेजी लाकर इस विषय का अविलंब निपटारा किया जा सकता है। हैरानी इस बात पर भी होती है कि पक्ष विपक्ष की ओर से ऐसा कोई संकेत तब नहीं है जब झारखंडी अस्मिता वाले निकायों में लोकतंत्र की पुनर्स्थापना का विषय आज किसी प्रशासनिक विफलता का नहीं बल्कि संवैधानिक व राजनीतिक नैतिकता का विषय बन चुका है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

गंदें फेंकी जा रहें, गिरे 'विकिट' यह चाह। बल्ला ले नायक खड़ा, सबसे बेपरवाह। सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 8292553444 संपादक

“शरीर को पढ़ने दो कुछ किताबों से अलग भी!”

कभी स्कूल की छुट्टी होते ही बच्चे बस्ता फेंकते थे और निकल जाते थे मैदान की ओर - जहाँ कोई कोच नहीं, कोई टाइमटेबल नहीं, बस एक फुटबॉल, एक बैट, बैटमिंटन या पिट्टू और ढेर सारी मस्ती। पर अब? अब मैदान सूने हैं, और बच्चे स्क्रीन के पीछे छुपे हैं। शिक्षा आज इतनी “पढ़ाई-केंद्रित” हो गई है कि “जीवन-केंद्रित” रह ही नहीं गई। किताबों और नंबरों की होड़ ने बच्चों को इतना बाँध दिया है कि उनका बचपन ‘सिलेबस’ के पन्नों में खो गया है। माता-पिता और शिक्षक भी अनाज में इसी दौड़ के हिस्सेदार बन गए हैं। मानो बच्चों की ज़िन्दगी की गारंटी बस अच्छे मार्क्स और एक सीट के इर्द-गिर्द सिमट गई हो। पर क्या हम भूल नहीं रहे कि एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है? खेल केवल समय बिताने का साधन नहीं है - यह जीवन जीने का तरीका सिखाते हैं। जब बच्चा मैदान में गिरता है, और खुद उठकर फिर से दौड़ता है, तो वह जीवन की सबसे बड़ी शिक्षा ले रहा होता है - संघर्ष करना, हार मानना नहीं, और फिर से खड़ा होना। यह वह पाठ है, जो किसी किताब में नहीं लिखा मिलता। खेलों से बच्चों में केवल शारीरिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि उनके भीतर नेतृत्व, टीम वर्क, ईमानदारी, सहनशीलता और भावनात्मक संतुलन जैसे गुण जन्म लेते हैं। यही मूल्य उन्हें अच्छे विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि बेहतर इंसान बनाते हैं। आज के युवाओं की तस्वीर अलग है - वे जल्दी थक जाते हैं, जल्दी चिढ़ जाते हैं, और छोटी सी असफलता में टूट जाते हैं। कंधों पर हैडफोन और आंखों पर मोबाइल की चमक है, पर दिल में न जुनून है, न ऊर्जा। यह पीढ़ी शायद IQ में तेज हो, पर EQ (Emotional Quotient) और SQ (Spiritual Quotient) में पिछड़ती जा रही है - क्योंकि उन्होंने कभी खेल के मैदान में पसीना नहीं बहाया। शारीरिक निष्क्रियता से आज हर दूसरा बच्चा किसी न किसी बीमारी की चोंप में है। मोटापा, डायबिटीज, विटामिन की कमी, कमजोर प्रतिरक्षा, नॉड की गड़बड़ - ये सब पढ़ाई की अधिकता से नहीं, गतिविधि की कमी से हो रहे हैं। और जब यही बच्चे आगे चलकर किसी नौकरी में जाते हैं, तो शरीर और मन, दोनों इतनी जल्दी थक जाते हैं कि काम की गुणवत्ता और खुशी दोनों समाप्त हो जाती है। हम भूल जाते हैं कि शरीर को सिर्फ आराम के

लिए नहीं, उपयोग और सक्रियता के लिए बनाया गया है। शरीर जितना गतिशील रहेगा, मन उतना ही स्थिर रहेगा। खेल भावना हमें केवल जीत नहीं सिखाती - वह हमें ईंसान बनना सिखाती है। जो मैदान में हार को स्वीकार कर सकता है, वह जीवन में भी हर परिस्थिति को साहस से झेल सकता है। वहाँ कोई जात-पात, अमीरी-गरीबी, शहर-गाँव नहीं होता - होता है तो सिर्फ खेल और खिलाड़ी। मैं एक शिक्षिका होने के नाते, जहाँ भी बच्चों से मिलती हूँ - चाहे अपने इंस्टिट्यूट में हो, या किसी समारोह में - हमेशा उन्हें यही कहती हूँ कि पढ़ाई जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है खेलना, दौड़ना, पसीना बहाना और मानसिक गतिविधियाँ करना। मैं उन्हें समझाती हूँ कि सिर्फ किताबों से ज्ञानी नहीं बना जा सकता - एक सशक्त शरीर और संतुलित मन भी आवश्यक है। मैंने कई ऐसे छात्र देखे हैं जो पढ़ाई में अक्वल रहे, लेकिन स्वास्थ्य के कारण वे अपने करियर का आनंद नहीं ले पाए। अब ज़रूरत है... 1. स्कूलों में हर दिन कम-से-कम 1 घंटा खेल अनिवार्य किया जाए। 2. माता-पिता बच्चों को खेलने का समय और स्वीकृति दें। 3. पढ़ाई और खेल का संतुलन हर घर और स्कूल में तय किया जाए। देश को इंजीनियर, डॉक्टर, चकील और वैज्ञानिक तो चाहिए - पर साथ ही चाहिए स्वस्थ, संवेदनशील और सकारात्मक नागरिक। और यह नागरिकता पढ़ाई के बोझ से नहीं, खेल के मैदान से जन्म लेती है। आइए, बच्चों को मैदान लौटाएं। उनकी किताबों में ऊर्जा भरें, और शरीर में जज्बा। ताकि वे न सिर्फ अच्छे छात्र, बल्कि मजबूत इंसान बनें। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात



वीणा देवांगन

अभियंता एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ



बुमराह, शमी और सिराज की तेज गेंदबाजी तिकड़ी इंग्लैंड के लिए मुसीबतें खड़ी करेगी : रवि शास्त्री

दुबई (आईएनएस)

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि जून में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में फिट हो चुके जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज की तेज गेंदबाजी तिकड़ी इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए घातक साबित होगी। भारत को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण की अनुपलब्धता के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह दोनों ही चोटिल हो गए थे। इस बीच, बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दौरान संघर्ष करने वाले मोहम्मद सिराज को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम से बाहर कर दिया गया। हालांकि, सिराज ने मौजूदा आईपीएल में शानदार वापसी की है, उन्होंने अब तक आठ मैचों में 12 विकेट लिए हैं, जिससे पता चलता है कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं, जबकि बुमराह और शमी दोनों अपनी चोटों से पूरी तरह उबर चुके हैं।



तीन तेज गेंदबाजों के दम पर इंग्लैंड में भारत को दिखी जीत की उम्मीद

शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, "मुझे लगता है कि सिराज, जसप्रीत और मोहम्मद शमी, ये तीनों अगर पूरी तरह से फिट हैं, तो वे इंग्लैंड को डेरें परेशानियां देंगे। जब आप इन तीनों को फिट कर लेते हैं, तो यह एक बेहतरीन, शीर्ष श्रेणी का तेज गेंदबाजी आक्रमण होता है। और सिराज के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि मुझे सुखी है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में नहीं जुगो जाने के बाद उन्हें चोट लग गई।"



ओलिंपिक गोल्फ को बना रहा है आम लोगों का खेल: रोजर बाथर्स्ट

ग्रेटर नोएडा (आईएनएस)

गोल्फ को 100 से अधिक वर्षों के बाद 2016 में ओलिंपिक खेलों में शामिल करने से इसे तथाकथित अर्धजात्य डेग से बाहर निकालने में मदद मिली है, यह बात आर एंड ए के चेयरमैन (रूल्स) रोजर बाथर्स्ट ने शनिवार को जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिजार्ट में आयोजित लेवल 3 टीएआरएस के कर्टन रेजर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। बाथर्स्ट ने कहा, "यहां भारत में लेवल 3 टीएआरएस आयोजित करना हमारे लिए एक बहुत बड़ा सौभाग्य है। यह दुनिया भर में गोल्फ को बढ़ावा देने के हमारे मिशन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुझे यह देखकर अच्छा लगता है कि ओलिंपिक की वजह से गोल्फ अब केवल अमीरों का खेल नहीं रह गया बल्कि यह आम लोगों का खेल बनना जा रहा है, साथ ही यह खेल तेजी से फैल रहा है। हमें यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि यह खेल दुनिया भर में विस्तार कर रहा है। यही हमारी यहाँ उपस्थिति और भारत में रेफरी कार्य में मदद करने का मकसद है।" "पिछले हफ्ते हम विद्युतनगम में थे, और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों के लोगों से बात कर रहे थे। आर एंड ए किसी भी तरह से अगर निर्यात की शिक्षा के जरिए खेल को बढ़ावा दे सकता है, तो हम उसे पूरी तरह से लाभकारी मानते हैं।"

धर्मशाला में आईपीएल की तैयारी 4 मई से शुरू होंगे मुकाबले, टिकट 1500 से 7500 तक कीमत

एजेंसी | धर्मशाला

धर्मशाला का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए तैयार है। यहां 4, 8 और 11 मई को तीन मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला 4 मई को पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच शाम 7.30 बजे से होगा। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने टिकटों की कीमतें तय कर दी हैं। सबसे सस्ती टिकट 1500 रुपए का है। पैवेलियन टैरस की टिकट 7500 रुपए में मिलेगी। पूर्वी और पश्चिमी स्टेड की टिकट की कीमत 6 हजार और 5 हजार रुपए हैं। उत्तरी स्टेड और नॉर्थ पैवेलियन स्टेड की टिकटें 3750 रुपए में उपलब्ध हैं। वेस्ट स्टेड टू की 2250 रुपए, नॉर्थ-वेस्ट स्टेड की 2000 रुपए तथा ईस्ट स्टेड टू, नॉर्थ वन और ईस्ट टू की टिकटें 1750 रुपए में मिल रही हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर को 6 सेक्टरों में बांटा गया है। करीब एक हजार पुलिस जवानों की तैनाती की जाएगी। वाहन पार्किंग के लिए मैदान, फुटबॉल ग्राउंड चरान और दाड़ी मेला ग्राउंड चुने गए हैं। वीवीआईपी पार्किंग साई मैदान में और मीडिया पार्किंग बांज रकूल में होगी।

जसप्रीत बुमराह की रफ्तार ने लखनऊ का बिगाड़ा खेल...

लगातार 5वां मुकाबला जीती मुंबई इंडियंस

एजेंसी | मुंबई

आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान दोनों को पांच मैचों में जीत मिली। मौजूदा सीजन में दोनों टीमों दूसरी बार आमने-सामने हैं। इससे पहले 5 अप्रैल को दोनों के बीच मुकाबला हुआ था, जिसमें लखनऊ की टीम ने 12 रनों से जीत हासिल की थी। मुंबई-लखनऊ मैच से जुड़े अपडेट्स के लिए इस पेज को रिफ्रेश करते रहिए।। टारगेट का पीछा करते हुए लखनऊ सुपरजायंट्स की शुरुआत खराब रही और उसने 18 रनों के स्कोर पर एडेन मार्करम का विकेट गंवा दिया। मार्करम को 'इमैक्ट सब' जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। यहां से निकोलस पूरन और मिचेल मार्श के बीच दूसरे विकेट के लिए 42 रनों की पार्टनरशिप हुई। 7वें ओवर में स्पिनर विल जैक्स ने निकोलस पूरन को आउट करके इस पार्टनरशिप को ब्रेक किया। पूरन ने तीन छक्के और एक चौके की मदद से 15 बॉल पर 27 रन बनाए। जैक्स ने उसी ओवर में कप्तान ऋषभ पंत को भी चलाता कर लखनऊ का स्कोर 64/3 कर दिया। यहां से मिचेल मार्श और आरुण बंदोनी ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 46 रनों की पार्टनरशिप की। मार्श लय में लग रहे थे, लेकिन ट्रेंट बोल्ट ने उनको अपने जाल में फंसाया। मार्श ने तीन चौके और दो सिक्स की मदद से 24 बॉल पर 34 रन बनाए। बोल्ट ने इसके बाद दूसरे सेट बल्लेबाज बंदोनी को भी पवेलियन लौटा दिया। बंदोनी ने 22 बॉल पर 35 रनों का योगदान दिया, जिसमें दो चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे। इसके बाद जसप्रीत बुमराह का जादू देखने को मिला। बुमराह ने 16वें ओवर में तीन विकेट चटककर लखनऊ की कमर तोड़ दी। बुमराह ने उस ओवर में डेविड मिलर (24), अब्दुल समद (2) और आवेश खान (0) को आउट किया।



रयान रिक्लेटन व सूर्यकुमार यादव ने जड़े अर्धशतक

मुंबई इंडियंस ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए सात विकेट पर 215 रन बनाए। मुंबई इंडियंस की शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। तीसरे ही ओवर में मुंबई इंडियंस ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का विकेट खो दिया, जो गार्क यादव की गेंद पर आउट हुए। रोहित ने दो छक्के की मदद से 5 बॉल पर 12 रन बनाए। रोहित के आउट होने के बाद रयान रिक्लेटन और विल जैक्स के बीच दूसरे विकेट के लिए 55 रनों की पार्टनरशिप हुई। इस पार्टनरशिप के दौरान रिक्लेटन ने 25 गेंदों पर अपनी फिफ्टी की। रिक्लेटन को स्पिनर दिनेश सिंह टारी ने आउट किया। रयान रिक्लेटन ने 32 बॉल पर 58 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और चार छक्के शामिल रहे। रिक्लेटन के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव और विल जैक्स ने मिलकर 28

रनों की साझेदारी की। मुंबई इंडियंस को तीसरा झटका विल जैक्स (29) के रूप में लगा, जो प्रिस यादव की गेंद पर बोल्ट हुए। फिर तिलक वर्मा (6) को स्पिनर रवि बिश्रॉई ने पवेलियन भेजा। तिलक के आउट होने के समय मुंबई का स्कोर 13 ओवरों में चार विकेट पर 137 रन था। कप्तान हार्दिक पंड्या ने निराश किया और वो सिर्फ 5 रन बनाकर गार्क यादव की गेंद पर बोल्ट हुए। हालांकि विकेटों के गिरने का प्रभाव सूर्यकुमार यादव पर नहीं पड़ा और उन्होंने 27 बॉल पर फिफ्टी जड़ दी। सूर्यकुमार ने 28 बॉल पर 54 रन बनाए, जिसमें चार चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे। सूर्यकुमार का विकेट अवेश खान ने लिया। यहां से नजम धीर (25*) और डेब्यूटे कार्लिन बॉथ (20) ने तूफानी बैटिंग करके मुंबई को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

- विकेट पतन : 33-1 (रोहित शर्मा, 2.5 ओवर), 88-2 (रयान रिक्लेटन, 8.4 ओवर), 116-3 (विल जैक्स, 11.3 ओवर), 137-4 (तिलक वर्मा, 12.6 ओवर), 157-5 (हार्दिक पंड्या, 15.1 ओवर), 180-6 (सूर्यकुमार यादव, 17.3 ओवर), 208-7 (कार्लिन बॉथ, 19.4 ओवर)
- लखनऊ सुपर जायंट्स की प्लेइंग-11 में तेज गेंदबाज गार्क यादव की वापसी हुई। गार्क यादव इंग्रजी के चलते काफी महीनों से क्रिकेटिंग पवेलियन से दूर थे। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस ने कार्लिन बॉथ को मौका दिया। साउथ अफ्रीकी ऑलराउंडर कार्लिन बॉथ का आईपीएल में वे डेब्यू मुकाबला रहा।

महिला मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

14 भारतीय एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में अम्मान (आईएनएस)

सेमीफाइनल में भाग ले रही 12 महिला अंडर-15 मुक्केबाजों में से नौ ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे प्रतियोगिता के आठवें दिन एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 14 भारतीयों के लिए फाइनल में जगह पक्की हो गई। दिन का खेल शुरू होने से पहले भारत के लिए 43 पदक पक्के थे, लेकिन भारतीय मुक्केबाजों के फाइनल में जगह पक्की करने के बाद कांस्य पदक रजत और स्वर्ण पदक में बदल गए। महिला अंडर-15 सेमीफाइनल में कोमल (30-33 किग्रा), नव्या (58 किग्रा) और पुलिनस जवानों की तैनाती की जाएगी। वाहन पार्किंग के लिए मैदान, फुटबॉल ग्राउंड चरान और दाड़ी मेला ग्राउंड चुने गए हैं। वीवीआईपी पार्किंग साई मैदान में और मीडिया पार्किंग बांज रकूल में होगी।



अंतर से जीत दर्ज की। मिलकी मीनम (43 किग्रा) ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 3-2 से हराकर कड़ी टक्कर दी, जिससे भारत की युवा महिला मुक्केबाजों के लिए यह बेहद सफल दिन रहा। सावि (40 किग्रा) और वंशिका (70+ किग्रा) को फाइनल के लिए बाई मिली थी। पुरुषों की अंडर-15 प्रतियोगिता में, संस्कार विनोद (35 किग्रा) किर्गिस्तान के आर्सेन जोरोबेव पर आरएससी जीत के साथ खिताबी मुकाबले में जगह बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। संस्कार के बाद फाइनल राउंड में रुद्राक्ष सिंह खेदम (46 किग्रा), अभिजीत (61 किग्रा) और लखसे फोगट (64 किग्रा) शामिल हुए।

विमेंस ट्राई सीरीज- भारत ने श्रीलंका को हराया

मुंबई | श्रीलंका में विमेंस वनडे ट्राई सीरीज का पहला मैच भारत ने जीत लिया। टीम इंडिया ने होम टीम को 9 विकेट से हराया। बारिश के कारण 39-39 ओवर के हुए मैच में श्रीलंका ने 147 रन बनाए। भारत ने 29.4 ओवर में 1 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से बॉलिंग में स्नेह राणा ने 3 विकेट लिए। दीपि शर्मा और पुन चर्णी को 2-2 विकेट मिले। बैटिंग में प्रतिका रावल ने 50 रन बनाए, वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। स्मृति मंधाना ने 43 और हरलीन देओल ने 48 रन बनाए। श्रीलंका से इस्कोटा विकेट इनोका रणवीर ने लिया। 23 रन पर ही गिर गया था श्रीलंका का पहला विकेट श्रीलंका का पहला विकेट 23 रन के स्कोर पर ही गिर गया। कप्तान चमारी अश्वपथु 18 गेंदों पर 31 रन बनाकर 7 वना कर आउट हो गईं। दूसरे विकेट के लिए हासिनी पररे और हर्षिता समरविक्रमा के बीच 38 गेंदों पर 31 रन की पार्टनरशिप हुई।

आईपीएल 2025

अच्छे प्रदर्शन के बावजूद एक खिलाड़ी बना पंजाब किंग्स की कमजोरी

नई दिल्ली (आईएनएस)

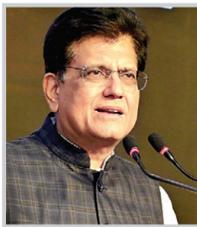
इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 44वां मैच बारिश के कारण वीरेंद्र किस्सी नतीजे के समाप्त हो गया। इस मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 201 रनों का स्कोर बनाया था। बारिश के कारण खेल रोकते जाने तक कोलकाता नाइट राइडर्स ने एक ओवर में बिना कोई विकेट खोए 7 रन बना लिए थे। इसके बाद बारिश ने मैच नहीं होने दिया और दोनों टीमों को 1-1 अंक मिला गया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुए इस मैच में एक अंक मिलने के बाद पंजाब किंग्स की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ गई है। मुंबई इंडियंस की टीम अब पांचवें स्थान पर है। वहीं, केकेआर की



टीम ने सिर्फ सात अंक हासिल किए हैं और अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। पंजाब किंग्स की बल्लेबाजी में ओपनिंग बल्लेबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन ने विशेष योगदान दिया। प्रियांशु आर्या ने 35 गेंदों पर 69 रनों की पारी खेली जिसमें 8 चौके और 4 छक्के लगाए। प्रभासिम्पन सिंह ने 49 गेंदों पर 83 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर भी 16 गेंदों पर 25 रन बनाकर नाबाद रहे। लेकिन, मध्यम क्रम के विस्फोटक बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल का न चलना पंजाब किंग्स के लिए अभी भी चिंता का विषय है।

विदेशी मुद्रा भंडार में मजबूती, भारत बना ग्लोबल निवेश हब : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (आईएनएस)



केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत का मजबूत विदेशी भंडार और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती हुई जीडीपी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रकार के निवेश को आकर्षित कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी में म्यूचुअल फंड मैनेजरों और वित्तीय सलाहकारों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा, "भारत की ग्रोथ स्टोरी सुरक्षित, संरक्षित और स्थिर है। उन्होंने आगे कहा, "मेक इन इंडिया जैसे इनिशिएटिव्स के माध्यम से हमारा देश अपनी प्रतिस्पर्धी शक्तियां और बढ़ती मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं

के दम पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकृत हो गया है। केंद्रीय मंत्री गोयल का बयान ऐसे समय पर आया है, जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय रिजर्व बैंक के डेटा के मुताबिक, 18 अप्रैल को समाप्त हुए हफ्ते में देश का विदेशी

- विदेशी मुद्रा भंडार में तेज बढ़त : पिछले छह हफ्तों में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 39.2 अरब डॉलर का इजाफा हुआ।
- रुपये को मिली मजबूती : फोरेक्स रिजर्व में मजबूती से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को बल मिला, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है।

मुद्रा भंडार 8.3 अरब डॉलर बढ़कर छह महीने के उच्चतम स्तर 686.15 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। बीते छह हफ्तों में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 39.2 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में मजबूती से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये को मजबूती मिलती है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। विदेशी मुद्रा भंडार में हाल ही में हुई वृद्धि से रुपया भी मजबूत हुआ

व्यापार/लाइफ व साइंस

एथर एनर्जी के आईपीओ का सब्सक्रिप्शन खुलने से पहले जीएमपी में आई बड़ी गिरावट

नई दिल्ली | एथर एनर्जी के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) का सब्सक्रिप्शन खुलने से इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इन्वेस्टमेंट बैंकिंग के अनुसार, एथर एनर्जी का जीएमपी वर्तमान में लगभग 3 रुपए है, जो इश्यू प्राइस से सिर्फ 0.93 प्रतिशत अधिक है। 22 अप्रैल को एथर एनर्जी के आईपीओ के ऐलान के समय जीएमपी करीब 17 रुपए था, जो अब गिरकर एकल अंक में आ गया है। इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 304-321 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। निवेशकों को कम से कम 46 इक्विटी शेयरों के लिए आवेदन करना होगा।

दुनिया में बदल रही भारत की छवि युवा बना रहे नई पहचान : पीएम मोदी

- आज भारत का युवा साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है।

नई दिल्ली (आईएनएस)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि युवा देश के प्रति दुनिया का नजरिया बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही, पूरे विश्व में भारतीय टैलेंट की तारीफ हो रही है। मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा, "किसी भी देश का भविष्य कैसा होगा, यह उस देश के युवा की रुचि और सोच पर निर्भर करता है। आज भारत का युवा साइंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन की ओर बढ़ रहा है। इन युवाओं ने भारत के प्रति दुनिया का नजरिया बदल दिया



है। उन्होंने आगे कहा कि वह इलाके जिनकी पहचान पहले पिछड़ेपन और अन्य कारणों से होती थी, वहां भी युवाओं ने ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जो हमें नया विश्वास देते हैं। पीएम मोदी ने कहा, "कभी केवल हिंसा और अशांति के लिए जाना जाने वाले छत्तीसगढ़ के दंतवाड़ा का विज्ञान केंद्र इसका एक बड़ा उदाहरण है, जो अब बच्चों और उनके माता-पिता के लिए उम्मीद की नई किरण बन गया है।"

तेज गति से चल रहा गंगा एक्सप्रेसवे पर कार्य, करीब 80% निर्माण पूरा

लखनऊ (आईएनएस)

मेरठ से प्रयागराज तक बनाए जा रहे गंगा एक्सप्रेसवे का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है और इस एक्सप्रेसवे का 79 प्रतिशत निर्माण पूरा हो जा रहा है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की ओर से दी गई। यूपीडा के मुताबिक, गंगा एक्सप्रेसवे का अर्थ बर्क 99

प्रतिशत पूरा हो चुका है। ग्रेनुलर सब बेस (जीएसबी) का कार्य 85 प्रतिशत और डेस बिट्टिमिनस मैकाडम (डीबीएम) का कार्य 82 प्रतिशत पूरा हो गया है। इस 594 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे में से 464 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण अग्रणी समूह द्वारा किया जा रहा है। फिलहाल इस एक्सप्रेसवे को छह लेन का बनाया जा रहा है। भविष्य में इसे आठ लेन का भी बनाया जा सकता है। गंगा एक्सप्रेसवे पर दिल्ली-पनसीआर में मौजूद और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ को यूपी के पूर्वी छोर पर मौजूद प्रयागराज से जोड़ेगा।

मार्केट आउटलुक : तिमाही नतीजे, ऑटो सेल्स और आर्थिक आंकड़ों से तय होगा बाजार का रुझान

मुंबई (आईएनएस)

भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजे, ऑटो सेल्स, आईआईपी एवं एफआईआई डेटा और आर्थिक आंकड़ों का असर शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है। अगले हफ्ते

अदाणी ग्रीन, अदाणी टोटल गैस, केपीआईटी टेक, टीवीएस मोटर्स, अंबुजा सीमेंट्स, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, बीपीसीएल, अदाणी पैवर, जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा और वेदांता जैसे बड़ी कंपनियों की ओर से वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया जाएगा। इसे अलावा, मार्च के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के आंकड़े 28 अप्रैल को आएंगे। वहीं, 1 मई को ऑटो सेल्स के आंकड़े

आएंगे, जिसका असर बाजार पर देखने को मिल सकता है। वैश्विक स्तर पर अगले हफ्ते अमेरिका की जीडीपी से जुड़े अहम डेटा जारी किए जाएंगे, जिसमें पहली तिमाही का जीडीपी डेटा और जॉबलेस क्लेम शामिल हैं। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब 0.80 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 79,212.53 और 24,039.35 पर बंद हुए।

"वैश्विक स्तर पर मेक इन इंडिया"

भारत में आईफोन प्रोडक्शन शिफ्ट होने की रिपोर्ट पर बोले केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली (आईएनएस)

दिग्गज अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनी एप्पल द्वारा अमेरिका को भेजे जाने वाले शिफ्ट की अगले साल से भारत में मैनुफैक्चर करार में योजना की रिपोर्ट पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार

को कहा कि अब मेक इन इंडिया वैश्विक स्तर पर जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक न्यूजपेपर की क्लिप को शेयर करते हुए लिखा, "वैश्विक स्तर पर मेक इन इंडिया। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, टेक्नोलॉजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी एप्पल अगले साल तक अमेरिका के लिए आईफोन की पूरी असेंबली भारत में स्थानांतरित करने की योजना बना रही है।"

कारोबारी रहें सावधान : नामी कंपनियों के फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर हो रही लाखों-करोड़ों की साइबर ठगी, लूट, हत्या

जूडियो कंपनी की फ्रेंचाइजी देने के नाम पर साइबर ठगों ने कैसे 8,55,500 रुपये ठगे

संवाददाता

लखनऊ। तमाम कंपनियों के फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम पर साइबर अपराधी किस तरह से सक्रिय हैं और कैसे कारोबारियों को ठग रहे हैं इसके हर कुछ दिन बाद मामले उजागर हो रहे हैं। कई मामलों में तो साइबर अपराधीयों ने बुलाकर, एयरपोर्ट से होटल ले जाने या अन्य शहर में कंपनी के दफ्तर में ले जाने आदि के बहाने टैक्स या अपनी कार से ले जाने समय रास्ते में लूट कर हत्या तक कर दिये हैं। लूट का ऐसा ही एक मामला वाराणसी में उजागर हुआ है। जूडियो कंपनी की फ्रेंचाइजी दिलाने के नाम

● टाटा मोटर्स, कल्याण ज्वेलर्स, टाटा स्टार बक्स, जूडियो, टाटा ट्रेड, बर्गर किंग के असली वेबसाइट से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट बना कर फंसा रहे पर साइबर ठगी करने वाले अंतरराष्ट्रीय गैंग के सरगना और उसके दो गुणों को साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान बिहार के नालंदा जिले के गंगापुर कटीना के आकाश कुमार व सैदी के मयंक कुमार तथा शेखपुरा जिले के पिंजरी के प्रशांत गार्डन इलाके में रहते थे। गिरोह का सरगना आकाश कुमार है और प्रशांत कुमार कंप्यूटर साइंस से बोटक है। आकाश कुमार पश्चिम

बंगाल से और प्रशांत कुमार हरियाणा से जेल जा चुका है। तीनों के पास से 10 आईफोन, दो लैपटॉप, तीन डेबिट कार्ड, एक कार व 3720 रुपये बरामद हुए हैं। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया। बिहार कॉलोनी, महमूरगंज की रहने वाली जसवीर कौर को तहरीर पर 11 मई 2024 को साइबर क्राइम पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। प्रशांत कुमार के अनुसार उन्होंने जूडियो कंपनी की फ्रेंचाइजी के लिए ऑनलाइन अप्लाई किया था। फ्रेंचाइजी देने के नाम पर साइबर ठगों ने उनसे 8,55,500 रुपये ठग लिए। डीसीपी साइंस से बोटक है। आकाश कुमार पश्चिम

थाना प्रभारी विजय नारायण मिश्र के नेतृत्व में इंस्पेक्टर विपिन कुमार, दरोगा आलोक रंजन और एसआई श्याम लाल गुप्ता को टीम ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस टीम ने लेनदेन से संबंधित बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और फर्जी वेबसाइट की मदद से डिजिटल फुटप्रिंट तैयार कर तीनों आरोपियों को नालंदा व कोलकाता से गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे नामचीन कंपनियों जैसे कि टाटा मोटर्स, कल्याण ज्वेलर्स, टाटा स्टार बक्स, जूडियो, टाटा ट्रेड, बर्गर किंग की असली वेबसाइट से मिलती-जुलती फर्जी

वेबसाइट बनाते हैं। फिर फर्जी वेबसाइट का प्रमोशन विज्ञापन के माध्यम से गूगल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाता है। जिन लोगों को उपरोक्त कंपनियों के फ्रेंचाइजी की आवश्यकता होती है, उनके द्वारा वेबसाइट की गूगल पर सर्च किया जाता है। पेड प्रमोशन होने के कारण फर्जी वेबसाइट सबसे पहले दिखाई देती है। उन पर लोग अपना पूरा विवरण डाल देते हैं। इसके बाद उन्हें फोन कर रजिस्ट्रेशन फीस, सिक्वोरिटी मनी, जीएसटी फीस आदि का हवाला देते हुए कथित कंपनी के फर्जी म्यूल बैंक खातों में पैसा ट्रांसफर करा लिया जाता है।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर बनी हवाई पट्टी पर नाइट लैंडिंग करेंगे लड़ाकू विमान

संवाददाता

लखनऊ। गंगा एक्सप्रेस-वे पर दो मई की रात को हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतारे जाएंगे। यह पहली बार होगा कि किसी एक्सप्रेस-वे पर बनी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग होगी। गंगा एक्सप्रेस-वे पर साढ़े तीन किलोमीटर की हवाई पट्टी बनाई गई है। इस संबंध में सभी तैयारियों को पूरा कर लिया गया है। दो मई की रात को लड़ाकू विमान उतरेंगे। तीन मई को दिन में लैंडिंग का कार्यक्रम होगा। इसके लिए वायु सेना के अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं। हवाई पट्टी के आसपास 5 किलोमीटर के क्षेत्र को नो फ्लाईंग जोन घोषित कर दिया गया है। जानवरों को रोकने के लिए लोहे की बाड़ लगाई गई है।

आतंकियों के आने-जाने के बारे में सुराग जुटाने में जुटी एजेन्सी

एनआईए ने शुरु की पलगाम हमला की जांच

एजेन्सी | श्रीनगर

एनआईए की टीम में एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि एनआईए की टीम में आतंकवादियों के बारे में सुराग पाने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं। एनआईए ने पलगाम आतंकी हमले की जांच शुरू कर दी है। एजेन्सी ने रविवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस से जांच का जिम्मा लिया और चश्मदीदी से पूछताछ शुरू की। जांच एजेन्सी पलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों के आने-जाने के बारे में सुराग जुटाने की कोशिश कर रही है। एनआईए की टीम में एक पुलिस महानिरीक्षक, एक पुलिस उपमहानिरीक्षक और एक पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि एनआईए की टीम में आतंकवादियों के बारे में सुराग पाने के लिए प्रवेश और निकास बिंदुओं की गहन



जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की मदद से टीमें पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं ताकि उस आतंकी साजिश का पता लगाया जा सके, जिसके कारण यह भयानक हमला हुआ। एनआईए की जांच इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 22 अप्रैल को हुए हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 पर्यटक मारे गए थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर में पर्यटकों की आमद बढ़ रही है और 38 दिवसीय अमरनाथ यात्रा भी 3 जुलाई से शुरू होने वाली है। इसलिए पलगाम आतंकी हमले की हर पहलू से जांच करना जरूरी है।

एनआईए की सख्त कार्रवाई

एनआईए ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब खुफिया एजेंसियां केंद्र शासित प्रदेश में सक्रिय रूप से सक्रिय 14 स्थानीय आतंकवादियों की सूची तैयार कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, 20 से 40 वर्ष की आयु के ये लोग पाकिस्तान से विदेशी आतंकवादियों को रसद और जमीनी सहायता प्रदान करके सक्रिय रूप से सहायता कर रहे हैं। पलगाम गए आतंकवादी कथित तौर पर तीन प्रमुख पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े हैं। इनमें से तीन हिजबुल मुजाहिदीन से, आठ लश्कर से और तीन जैश से जुड़े हैं। बता दें कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रतिनिधि, द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पलगाम हमले की जिम्मेदारी ली है।

म्यांमार : शक्तिशाली भूकंप की वजह से 200,000 से अधिक लोग विस्थापित

म्यांमार में 28 मार्च को आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 2,00,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। देश की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति (एनडीएमसी) ने यह जानकारी दी। एनडीएमसी के अध्यक्ष वाइस सीनियर जनरल सो विन ने कहा कि भूकंप ने ने प्यी ताव, सांगों, मांडले, बांगो, मैगवे और शान सहित 10 क्षेत्रों और राज्यों में व्यापक विनाश किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने राज्य मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी। जनरल सो विन ने शुक्रवार को प्यी ताव में अयोग्यित एनडीएमसी की वर्ष की तीसरी बैठक में यह बात कही। जनरल सो विन ने बताया कि शुक्रवार तक 3,763 लोगों की मौत हो गई और 5,107 घायल हुए हैं, जबकि 110 लोग लापता हैं। कुल मिलाकर, 128,965 घरों के 629,206 लोग सूखे तौर पर प्रभावित हुए। सरकारी दैनिक 'द मिरर' ने शनिवार को एनडीएमसी के हवाले से बताया कि 23 अप्रैल तक कुल विस्थापित लोगों में से 48,656 लोग 135 बचाव केंद्रों में शरण लिए हुए हैं, जबकि 1,59,239 अन्य जगह स्थानांतरित हो गए।

पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की खबर झूठी सीएम देवेन्द्र फडणवीस मुंबई (आईएनएस)

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और गुजरात के देवेन्द्र फडणवीस ने 107 पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की खबर को पूरी तरह निराधार और भ्रामक बताया है। उन्होंने गुजरात के तौर पर स्पष्ट किया कि सभी पाकिस्तानी नागरिकों का पता लगा लिया गया है और उन्हें उनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही ये सभी नागरिक पाकिस्तान लौट जाएंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने एक बयान में कहा, "107 पाकिस्तानी नागरिकों के लापता होने की अफवाहें गलत हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूँ कि सभी का पता लगा लिया गया है। उन्हें देश से बाहर भेजने की व्यवस्था की जा रही है। किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को यहां रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुझे उम्मीद है कि आज शाम या कल सुबह तक वे अपने देश वापस चले जाएंगे। उन्होंने लोगों से ऐसी भ्रामक खबरें न फैलाने की अपील की और स्थिति पर सरकार की पूरी नजर होने का आश्वासन दिया।

यमन से मृत सागर को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइल को रोका : इजरायल यरुशलम (आईएनएस)

इजरायल की सेना ने रविवार को कहा कि उसने यमन से मृत सागर की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को सुबह-सुबह इजरायली क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले ही रोक दिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक पुलिस ने कहा कि मृत सागर क्षेत्र और अरवा क्षेत्र में सायन बजाया गया। देश की मैगन डेविड एडोम रिसर्च सर्विस ने कहा कि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अक्टूबर 2023 में गाजा संघर्ष शुरू होने के बाद से, ईरान समर्थित हूती विद्रोही फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इजरायल पर मिसाइलें और ड्रोन दाग रहे हैं। इजरायल के चैनल 12 ने बताया कि अप्रैल की शुरुआत से लेकर अब तक हूती विद्रोहियों की तरफ से इजरायल की ओर दागी गई यह 11वीं मिसाइल थी। इससे पहले यमन के हूती विद्रोहियों ने 23 अप्रैल को इजरायल के शहरों हाइफा और तेल अवीव में 'महत्वपूर्ण लक्ष्यों' पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया था। इस आर्टिक के कारण कथित तौर पर दिन में पूरे उत्तर-पश्चिमी इजरायल में सायन बजने लगे।

पेट साफ तो बहुत सी बीमारी साफ

आरपी सिंह

पेट साफ रखने के लिए करें क्या?

नई दिल्ली। जिंदगी की भागदौड़ और नौकरी से लेकर खेती तक में रात दिन खपते, जूड़ते रहने के तनाव में अब लोगों को पहले की तरह बिना मिलावट वाले राशन से घर का बना अच्छा खाना, बिना मिलावट वाले दूध-दही, बिना दवा व सिरिज वाले फल, सब्जी आदि मिलना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में बहुत से लोगों का पेट सुबह साफ नहीं हो पा रहा है। गैस, डकार, पेट फूलने आदि रोग से लोग परेशान रहने लगे हैं। समय पर खाना भी नहीं खा पा रहे हैं इन सबके चलते कब्ज की समस्या हो रही है। और कब्ज यदि लंबे समय तक बना रहे, तो बहुत तरह की बीमारी हो सकती है। आंत में कैसर

तक हो सकता है। इससे बचने के लिए खानपान से लेकर जीवन जीने के रूटीन तक में बदलाव करना बहुत जरूरी है। पाचन तंत्र ठीक से काम नहीं कर रहा है तो इससे गैस, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन यदि आप किसी वैद्य से पूछकर, उसके बताए अनुसार घरेलू उपाय से अपने पेट को पूरी तरह से साफ करना चाहते हैं, तो रात में दही के साथ त्रिफला पाउडर मिलाकर खाने से कब्ज दूर हो सकती है, शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल सकते हैं। कई वैद्य का कहना है कि दही में त्रिफला पाउडर मिलाकर खाने से पेट की सफाई अच्छे से हो सकती है, क्योंकि त्रिफला आयुर्वेद का एक प्रसिद्ध हर्बल मिश्रण है, जिसमें हरड़, बहेड़ा व आंवला होता है। ये तीनों जड़ी-बूटियां पाचन तंत्र को मजबूत करने के साथ शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती हैं। त्रिफला चूर्ण को दही में मिलाकर खाने से पेट अच्छी तरह साफ हो सकता है। इससे त्वचा व बाल भी बेहतर होंगे त्रिफला एक प्राकृतिक औषधि है जो शरीर को अंदर से स्वस्थ रखने में मदद करती है। इसका नियमित सेवन करने से लंबे समय तक स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। त्रिफला चूर्ण एक उत्कृष्ट रेचक के रूप में कार्य करता है। यह पाचन में सुधार और मूल त्याग को विनियमित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूर्ण

में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं। त्रिफला चूर्ण स्टोच व अन्य हार्ट संबंधी समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है। शरीर में ग्लूकोज के स्तर को संतुलित करता है। इसलिए यह शुगर के मरीजों के लिए बहुत अच्छा है। रही बात इसके साथ दही की तो दही खाने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जैसे पाचन तंत्र की दुरुस्ती, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ना, हड्डियों व दांतों को लाभ, त्वचा व बालों को स्वस्थ रखने, वजन कम करने, दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसलिए संबंधित आयुर्वेदिक विशेषज्ञ से राय लेकर इसका सेवन किया जा सकता है।

सिसिली में गोलीबारी 3 की मौत, 2 घायल

रोम। इटली के सिसिली की राजधानी पलेर्मो में हुई गोलीबारी में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह घटना व्वस्त डुओमो डी मोनेरेले स्क्वायर के पास एक पिञ्जेरिया में युवाओं के दो ग्रुप के बीच विवाद के कारण हुई। इसके बाद टकराव गोलीबारी में बदल गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 26 वर्षीय एंड्रिया मिसेली की रविवार को पलेर्मो के सिविको अस्पताल में मौत हो गई, जहां उसकी हालत गंभीर थी। दो अन्य, 23 वर्षीय साल्व्वाटोर टुर्डी और 26 वर्षीय मारिससो पिरोजो को गोलीबारी के तुरंत बाद मृत घोषित कर दिया गया।

ईरान के प्रमुख बंदरगाह में भीषण विस्फोट, 28 की मौत, 800 घायल

तेहरान (आईएनएस)

ईरान के दक्षिणी होर्माज़गान प्रांत में एक बंदरगाह पर हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। आधिकारिक इरान समाचार एजेंसी ने कहा कि विस्फोट और उसके बाद लगी आग में घायल हुए लोगों की संख्या 800 तक पहुंच गई है, जबकि छह लोग अभी भी लापता हैं। अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने रविवार को होर्माज़गान के गवर्नर मोहम्मद अशौरी तजिनयानी के हवाले से कहा, घटनास्थल पर लगे क्लोज-सर्कट कैमरों से प्राप्त फुटेज

विस्फोट का कारण अभी अनिश्चित सरकार और संकट प्रबंधन में मतभेद

ईरान के संकट प्रबंधन संगठन के प्रवक्ता होसेन जफरी ने शाहिद राजाई में कटेनरों में रसायनों के खराब भंडारण को विस्फोट के लिए दोषी ठहराया। उन्होंने ईरान की आईएलएनए समाचार एजेंसी को बताया, "विस्फोट का कारण कटेनरों के अंदर मौजूद रसायन थे। जफरी ने कहा, "इससे पहले, संकट प्रबंधन के महानिदेशक ने अपने दौरे के दौरान इस बंदरगाह को चेतावनी दी थी और खतरों की संभावना की ओर इशारा किया था।

में स्थानीय समायुक्त दोपहर 12:05 बजे बंदरगाह के एक क्षेत्र में कई कटेनरों के पास सीमित मात्रा में आग लगी दिखाई दी, जो फिर फैल गई और लगभग 90 सेकंड बाद बड़े विस्फोट का कारण बनी।



EVERYTHING WILL CHANGE

HARLEY-DAVIDSON 440

कहानी फिल्म जगत की

‘मैं दुनिया में बेकार इंसान...’

पैसे न कमाने पर छलका आइरा खान का दर्द, आमिर बोले- 'यह सिर्फ कागज का टुकड़ा'

आइरा खान ने एक हालिया इंटरव्यू में बताया कि वह 27 साल की उम्र में पैसे नहीं कमा पा रही हैं। उन्होंने खुद को बेकार इंसान बताया है। पिंकविला के साथ बातचीत में आइरा ने कहा, "मैं 26-27 साल की हूँ, मेरे मां बाप ने मेरे ऊपर बहुत पैसे खर्च किए हैं और मैं दुनिया में बेकार इंसान हूँ, मैं कुछ नहीं कर रही हूँ। आइरा खान के इतना कहने के बाद आमिर खान ने अपनी बेटी की साइड ली और कहा कि भले ही वह पैसा नहीं कमा रही हैं, लेकिन वह अच्छा काम कर रही हैं। अभिनेता ने कहा, "आप पैसा कमा रहे हो या नहीं, वो मेरे लिए इम्पोर्टेंट नहीं है। आप काम अच्छा कर रहे हो, ये मेरे लिए इम्पोर्टेंट है। पैसा वाकई एक प्रोमिस लेटर है जिस पर हर कोई सहमत होने का फैसला करता है या फिर यह सिर्फ कागज का एक टुकड़ा है।

क्या करती हैं आइरा खान?

पिता आमिर खान और भानू जूनैद खान के नक़्शेकदम पर न चलते हुए आइरा खान ने एक अलग राह चुनी है। वह थिएटर और फिल्मों में अपना करियर बना रही हैं।